श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

वर्ष 01 अंक- 3-4

जून-जुलाई 2023
(संयुक्तांक)

समाज दर्पण

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की
द्वितीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं परिचय सम्मेलन के
भोपाल में प्रस्तावित आयोजन 02 जुलाई 2023 के अवसर पर

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

समाजसेवी श्री रामनिवास चतुर्वेदी

प्रॉपर्टी डीलर–सबलगढ़, जिला– मुरैना (म0 प्र0)

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद महासचिव मध्यप्रदेश

मोबा0नं0 9893061527

Reg. No-AAWCA0902GF20229
BANK A/C No-4022002100016466
IFSC Code - PUNB0402200

Mob-9311006052
Email-ashokchaturvedi53@gmail.com

ASHOK HARISH CHAND FOUNDATION

TO RUN PROJECT-SENIOR CITIZEN, CHILD EDUCATION, HEALTH
Business Associate: SMC Global Securities Ltd (Deal in Share Market)
Insurance Advisor: HDFC Life Insurance Company Ltd
(Agency Code-HDF00484401)
General Insurance Advisor: New India Insurance Company Ltd
(Agency Code-AG00066425)
Health Insurance Advisor: Care Health Company Ltd (HP Code-RLH20514819)

Add - B-50 BALRAM NAGAR P.O LONI DIST. GHAZIABAD - 201102

AAA BROTHERS

SMC GLOBAL SECURITIES LTD.

ANKIT CHATURVEDI
Port Folio Management
& Technical Research Analyst

MOBILE NO: 9818478765
EMAIL ID: ankitchat@yahoo.com
Website: www.smcindiaonline.com

AXIS SECURITES LTD.

SURABHI CHATURVEDI
Authorised Person of Axis Securities Ltd.
BSE APO1316301144248
NSE AP2064005841

MOBILE NO: 9971045486
EMAIL ID: joychonu@gmail.com
Website: www.axisdirect.in

Services:- Equities, Commodities, online share trading, mutual funds, IPOs, FDs, Insurance Broking, Investment Banking, PMS & Wealth Advisory

BUSINESS LEADER

- PNB MetLife Life Insurance Co. Ltd.
- HDFC Life Insurance Co. Ltd.
- BIRLA SUN Life Insurance Co. Ltd.
- BHARTIA AXA Life Insurance Co. Ltd.
- TATA AIA Life Insurance Co. Ltd.
- LIFE Insurance Corporation of India.

Office Address: B-50 BALRAM NAGAR, P.O. LONI-DIST. GHAZIABAD - 201102

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

संरक्षक मण्डल

श्री बृजमोहन चतुर्वेदी
मुम्बई

श्री महेश मिश्रा
मैनपुरी

श्री पवन मिश्रा
दिल्ली

श्री भूपेन्द्रनाथ चतुर्वेदी
जोयडा

श्री विनय चतुर्वेदी
भिलाई

श्री अरूण पाण्डेय
बनारस

श्री सुबोध चतुर्वेदी
लखनऊ

श्री अरूण चतुर्वेदी
जयपुर
पूर्व मंत्री-राजस्थान

श्री हीरालाल पाण्डेय
दिल्ली

श्री गिर्राज किशोर चतुर्वेदी
बैंगलोर

श्री वी.एन. चतुर्वेदी, एडवोकेट
गाजियाबाद

श्री सुखदेव चतुर्वेदी
उचाड़ (दतिया)

श्री धर्म गोपाल चतुर्वेदी एडवोकेट
भरतपुर

श्री अशोक चतुर्वेदी
लोनी

श्री नीरज चतुर्वेदी
कानपुर
पूर्व विधायक

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

प्रदेश अध्यक्ष

डा. सुजीत चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-उत्तर प्रदेश

श्री रवीन्द्रनाथ चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-उत्तराखण्ड

श्री ह्रदेश चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-राजस्थान

श्री तरुण चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-मध्य प्रदेश

श्री ज्ञान चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-छत्तीसगढ़

श्री सुधीर कुमार चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-महाराष्ट्र

श्री प्रकाश चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-गुजरात

श्री सन्तोष चतुर्वेदी 'टिकू'
प्रदेश अध्यक्ष-आन्ध्र प्रदेश/तेलगाना

श्री नवीन चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-तमिलनाडु

श्री मृदुल कांत चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-कर्नाटक

श्री धीरज कुमार चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-हरियाणा

श्री किशन चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-पंजाब

श्री यतीश चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-बिहार

श्री राजू चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-झारखंड

श्री अरविंद चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-उड़ीसा

श्री फतह चन्द चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-पश्चिम बंगाल

श्री झंकार प्रिय चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-दिल्ली

श्री मनु चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-जम्मू कश्मीर

श्री भवेश चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष-हिमाचल प्रदेश

अंक– 03–04
जून–जुलाई – 2023 वर्ष– 01

सभापति
नीरज चतुर्वेदी
मो0नं0 8529120404
Email- neeraj1965bjp@gmail.com
महामंत्री
प्रणव चतुर्वेदी (चेतन) (संगठन, कानपुर)
मो0नं0 9935533719
श्री निशीथ चतुर्वेदी, डबरा
मो0नं09977441400
श्री रोहित चतुर्वेदी
मो0नं0 9358111333
कोषाध्यक्ष
भारत चतुर्वेदी (कानपुर)
मो0नं0 9792115115
सम्पादक सलाहकार मण्डल
निशीथ चतुर्वेदी,
अमित पाण्डेय
संकेत चतुर्वेदी, गाजियाबाद
तरुण चतुर्वेदी, पुनीत चतुर्वेदी भोपाल
सम्पादक
अतुल वी0 एन0 चतुर्वेदी
मो0नं0 9412320994 (Whatsup No.)
Email-editor.magazine2023@gmail.com
पत्रिका से सम्बन्धित पत्र व्यवहार का पता–
237, सिविल लाइन्स इटावा
नोट– पत्रिका में प्रकाशित सामग्री लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं इसमें सम्पादक का कोई विधिक उत्तरदायित्व नहीं है। सभी विवादों के निस्तारण का न्याय क्षेत्र जयपुर राजस्थान होगा।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

सभापति की कलम से	8
महामंत्री की कलम से	9–10
संपादकीय	11
क्विज प्रतियोगिता–02	12
उत्तर पत्रक, क्विज परिणाम	13
आत्म विभोर करने वाली अनुभूति	14
पश्चिम बंगाल कार्यकारिणी की प्रथम बैठक	15
राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी का अधिवेशन	16–17
हरियाणा प्रदेश की प्रथम बैठक सम्पन्न	18–19
उत्तर प्रदेश की प्रथम कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न	20–21
माथुर चतुर्वेदी युवा महापरिषद का विस्तार	22
ग्वालियर म0प्र0 की कार्यकारणी	23
भिण्ड म0प्र0 की कार्यकारणी	24
इन्दौर म0प्र0 की कार्यकारणी	25
उज्जैन म0प्र0 की कार्यकारणी	26
पंजाब, चंडीगढ, दतिया म0प्र0 की कार्यकारणी	27
कार्यक्रम सूचना	28
समाज के युवाओं से मन की बात	29
यादें– समय की पुकार	30–31
रामचरितमानस में कलियुग का वर्णन	32–35
बेटी की गृहस्थी में कितना दखल देना चाहिए	36
विवाह में सात फेरे ही क्यों लेते हैं?	37
कहानी– कोई अपना सा	38–39
रिटायरमेंट के बाद का दर्द..	40
राधा–कृष्ण सम्वाद	41
कर्तव्य बोध एवं वचनबद्धता	42–43
मथुरा कार्यालय पर बैठक सम्पन्न	44
कविता	45–47
निवेदन, जनगणना	48
कतरों का झोर	49
रक्षाबन्धन, सनातन धर्म	50
शोक संवेदना	51–52
गौरव के पल	53

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के लिए सभापति नीरज चतुर्वेदी द्वारा मुद्रक एच0आर0 एन्टरप्राइजेज द्वारा प्रकाशित, संपादक– अतुल वी.एन. चतुर्वेदी

(नीरज चतुर्वेदी)
सभापति

सभापति की कलम से

सबको पालागन एवं जय श्री कृष्णा,

कुछ नई सोच नई दिशा के लिए, नई उमंग के साथ, महापरिषद के कदम बढ़ने लगे, श्री माथुर चतुर्वेदी समाज का हर वर्ग उत्साहित नजर आ रहा है। सच ही कहा है 'संघे शक्ति कलियुगे' संगठन है तो शक्ति है।

कुछ नया करने की ईच्छा शक्ति हो तो क्या नहीं किया जा सकता?

'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'

समाज की युवा पीढ़ी इसी सोच के साथ प्रगति पथ की ओर अग्रसर हो।

हमारे समाज का देश के अन्य समाजों में श्रेष्ठ स्थान रहा है। चतुर्वेदी बन्धु अपनी बुद्धिमता के बल पर हर क्षेत्र में अपनी अमिट पहचान स्थापित कर ही लेते हैं।

हम सब को साथ लेकर चलने आए है। संख्यात्मक रूप से एक स्थान पर हमारी सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति आवश्यक है। हम कुछ पिछली बातों को पीछे छोड़कर भावी पीढी के भविष्य निर्माण के लिए आगे का सोचेंगे तो कुछ नये विचार, प्रेरणा परिवार व समाज को दे पाएंगे। 'संकल्प ही सिद्धि है' हम किसी प्रतिस्पर्धा में ना उलझते हुए अपने लक्ष्य की ओर एकजुट होकर आगे कदम बढ़ाएं। समय और समाज हमारी ओर आशा से निहार रहा है।

आइये हम सब मिलकर अपनी संस्कृति, को जीवंत बनाए रखने व महापरिषद के उद्देश्यों के प्रति संकल्पित हो। सबका साथ, समाज का विकास।

''लहरों को शांत देख कर ये ना समझना, की समन्दर में रवानी नहीं है,
जब उठेंगे तूफान बन के उठेंगे, अभी उठने की ठानी नहीं है।''

चरेवेति, चरेवेति, चरेवेति

(जय समाज – जय संगठन)

प्रणव चतुर्वेदी 'चेतन'
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन

महामंत्री की कलम से

सभी को सादर पालागन।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा एवं नव गठित श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद दोनों ही समाज की संस्थायें है और वर्तमान में जो महापरिषद के सदस्य है वो महासभा के भी सदस्य है जहां तक मेरा विचार है महापरिषद के गठन का कारण कुछ ऐसे कार्यों पर समाज के उन सदस्यों को लेकर कार्य करने का जो महासभा के कार्यों के अतिरिक्त भी किये जा सकें इसका कारण महासभा के प्रति विरोध कदापि नहीं है। हमारा सहयोग सदैव की भाँति भविष्य में महासभा के लिऐ रहेगा महासभा किसी व्यक्ति विशेष की संस्था नहीं वरन सम्पूर्ण समाज की आस्था का केंद्र है। अतः महासभा या समाज की अन्य सभी संस्थाओं के लिऐ महापरिषद के बीच सदैव सहयोग की भावना महापरिषद का मूल उद्देश है इस पर विभिन्न दृष्टिकोण सदस्यों के सुनने और पूर्व में पढ़ने को मिले मेरा सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है समाज के सदस्यों से नव गठित संस्था को पूर्वाग्रह से ना देखें बल्कि भविष्य में जब कुछ कार्य समाज के प्रति हों तो महापरिषद के लिये अवश्य सुझावों सहित दें और यदि उन कार्यों में कोई त्रुटि भी हो निर्भीकता एवं निष्पक्षता से बिना पूर्वाग्रह के अवश्य रक्खें। महापरिषद समाज की किसी भी संस्था के प्रति ना ही विरोध रखती है और ना ही विरोध करेगी महापरिषद मैं महासभा के विभिन्न आजीवन सदस्य है जिनका पूर्ण अधिकार है कि वो जिन सस्थाओं से जुड़े है उनको सुझाव उनके जिम्मेदार पदाधिकारियों को प्रेषित करें। मुझे नहीं लगता कि कोई भी सामाजिक संस्था समाज के सहयोग मैं निर्णय नही लेगी। आवश्यकता समाज की संस्थाओं में पारदर्शिता के साथ समाज के सदस्यों की भावनाओं को भी समझने की भी होनी चाहिये।

महापरिषद किसी भी संस्था में जुड़े होने पर किसी सदस्य के सार्वभौमिक व्यक्तिगत विचार पर उनके अधिकार पर कोई ना हो रोक लगाती है ना रोकती है वो अपने स्वतंत्र अधिकारों के तहत सम्बद्ध संस्था से ना केवल जुड़े रहें बल्कि उन संस्थाओं के सम्मान एवं सहयोग में सदैव सहयोग करें।इस स्पष्टीकरण का कारण में महापरिषद के महामंत्री के जिम्मेदार पद के रूप में व्यक्त कर रहा हूं। में यथा सम्भव महापरिषद के प्रति उचित सवालों के जबाब भी देने को उपलब्ध रहूंगा और महासभा के आजीवन सदस्य के कारण उसके भी सहयोग के लिऐ सदैव उपलब्ध भी रहूंगा लेकिन साधारण सदस्य के रूप में यदि संस्थाओं के आपस में सहयोग का विचार होगा तो महापरिषद के पदाधिकारी के रूप में सभी संस्थाओं महासभा या स्थानीय संस्थाओं के साथ समन्वय की भूमिका के लिए भी कार्य महापरिषद करेगी।

यदि फिर भी कोई सदस्य समाज की इस संस्था के प्रति पूर्वाग्रह से सवाल मन में यदि रखता भी है तो उनसे सिर्फ भविष्य में महापरिषद के कार्यों की प्रतीक्षा का ही निवेदन करूंगा।आप सभी को सम्मान सहित पुनः पालागन।

महामंत्री की कलम से

समस्त भगिनी एवं बांधवों को सादर पालागन।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को प्रारंभ हुए मात्र कुछ महीने ही हुए हैं इतने अल्प समय में 19 राज्यों में गठन एवं 15 राज्यों में कार्यकारिणी का बनना पत्रिका का प्रारंभ होना तथा भोपाल के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक के अवसर पर विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन निश्चित रूप से मील का पत्थर है जिसके लिए समाज के क्रियाशील भाई बहिन साधुवाद के पात्र हैं दूसरी ओर भाई श्री सी पी चतुर्वेदी द्वारा जनगणना कार्यक्रम का संचालन जिस लगन एवं मेहनत से किया जा रहा है उसकी मिसाल देना संभव नहीं है।

दिनांक 2 जुलाई 2023 को महापरिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक के अवसर पर मध्य प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा युवक यवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाना एक सराहनीय कदम है हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं की आयोजन आशाओं के अनुरूप सफल हो।

जनगणना कार्यक्रम मैं कुछ व्यक्तियों द्वारा यह कहकर सहयोग ना करना कि नया संगठन बनाने की आवश्यकता क्या थी जनगणना तो पहले हो चुकी है कहीं ना कहीं महापरिषद की सफलता से परेशानी परेशानी को दर्शाता है महापरिषद के पदाधिकारी इस संबंध में कई बार अपना स्पष्टीकरण दे चुके हैं समाज में केवल महासभा ही एकमात्र पंजीकृत संगठन नहीं है आज लगभग 7–8 संगठन अलग–अलग संविधान के साथ कई वर्षों से समाज हित में कार्य करते आ रहे हैं। सभी का अपना अपना संविधान है अपनी अपनी कार्यकारिणी है। इन परिस्थितियों में केवल महापरिषद पर आरोप लगाना समझ से परे है। इनमें से केवल महापरिषद के संविधान में यह स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि हम समाज में कार्यरत सभी संगठनों का सहयोग करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सहयोग लेंगे। आशा है समस्त चतुर्वेदी बांधव लिंक के माध्यम से अपनी तथा अपने परिवार की वांछित जानकारी अपलोड करेंगे।

विगत माह में देश की लगभग हर कोने में महापरिषद की राज्य कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन समाज को संगठित करने में सहयोगी होगा हमारे बंधुओं ने जिस कार्यकुशलता के साथ बैठकों का आयोजन किया एवं वर्चुअल रूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उन बैठकों से जुड़े उनसे भविष्य में एक बड़े बदलाव की संभावना है। इसी के साथ वर्चुअल रूप से महिला कार्यकारिणी की राष्ट्रीय बैठक मील का पत्थर साबित होगी हम आशा करते हैं शीघ्र ही महापरिषद द्वारा महिला एवं युवाओं हेतु राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित होंगे इसके लिए राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती निकिता चतुर्वेदी तथा युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भाई श्री आशीष राधेश्याम चतुर्वेदी लगातार प्रयासरत हैं। आशा है कि इनकी मेहनत रंग लाएगी ।

हमारे संरक्षकगण, सभापति महोदय श्री नीरज चतुर्वेदी, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री प्रणव चतुर्वेदी, पत्रिका संपादक श्री अतुल वी एन चतुर्वेदी पंजीयन का काम देख रहे एडवोकेट वी एन चतुर्वेदी को बहुत–बहुत बधाई कि उनके प्रयास रंग ला रहे हैं।

भाई श्री अतुल वी0 एन0 चतुर्वेदी द्वारा पत्रिका का संपादन जिस सफलतापूर्वक किया जा रहा है उसके लिए एक बार पुनः बधाई। पत्रिका के आगामी 3 अंक शिक्षा, महिला एवं युवाओं के विशेषांक होंगे आशा हमारे बांधव इसके लिए आवश्यक सामग्री एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ भेजकर सहयोग करेंगे ।

बम्बई में निवासरत महापरिषद परिवार के विधिक परिषद के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री महेन्द्र चतुर्वेदी जी के आकस्मिक निधन से न केवल महापरिषद वरन समस्त समाज की अपूर्णनीय क्षति हुई है समस्त समाज की ओर से सादर श्रद्धांजलि एवं भगवान से प्रार्थना कि परिवार को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

धन्यवाद, पालागन! जयश्री कृष्णा! वन्देमातरम!

निशीथ चतुर्वेदी
राष्ट्रीय महामंत्री
श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

अतुल वी एन चतुर्वेदी

''जनगणना को गति देने के लिए और समाज के सदस्यों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जनगणना का लिंक एवं प्रारूप हर अंक में प्रकाशित किया जा रहा है जिससे कि पत्रिका से भी कॉपी करके ऑनलाइन ऑफलाइन जनगणना के फॉर्म भरे जा सकें और इस कार्य में समाज का हर सदस्य कृपया अपना सहयोग एवं योगदान प्रदान करें।''

''शिक्षा विशेषांक में सभी मेधावी बच्चों के नाम मय फोटो प्रकाशित होगें।''

संपादकीय

'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः।'

ऋग्वेद का यह स्वस्ति वाचन कहता है कि हमारे लिए सभी ओर से शुभ व कल्याणकारी विचार आएं।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद इसे हर पल आत्मसात करती है श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद ने इसे अपना मूल मंत्र भी माना है इसीलिए सबको साथ लेकर और सब को जोड़कर आगे बढ़ने का सपना हमारे यशस्वी सभापति नीरज चतुर्वेदी जी एवं उनकी टीम ने देखा है इसी का परिणाम है कि इतने अल्प समय में 19 राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का मनोनयन और 15 राज्यों में कार्यकारिणी का गठन, साथ ही साथ में लगभग आधे दर्जन प्रदेशों में कार्यकारिणी बैठकों का संपन्न होना और चौबों के वे गांव जो अब तक समाज से अलग थलक पड़े थे वहां (राजस्थान) प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई तथा जो जोश और ऊर्जा देखने को मिली वह कल्पना के बाहर थी। वह बैठक ना रहकर एक महोत्सव में बदल गई। जब तक पत्रिका आपके हाथ में आएगी तब तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दूसरी बैठक चल रही होगी। मुझे यह बात साझा करते हुए बड़ा हर्ष हो रहा है कि कड़ा परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ महापरिषद की जनगणना का कार्य निरंतर प्रगति पर है और जो 15 देशों में और देश के 300 से ज्यादा शहरों से लोग जनगणना में शामिल हो रहे हैं। पश्चिमी संस्कृति के बढ़ते कुप्रभावों को देखते हुए श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद भोपाल में युवा और युवतियों का एक परिचय सम्मेलन भी आयोजित कर रही है जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण आशावादी अवसर है और शुभ पहल है । जिसमें अपने सभी 7 गोत्र और 64 अल्ह वाले चतुर्वेदी जो देश के किसी भी कोने में रह रहे हैं उनसे संपर्क कर उन्हें मुख्यधारा में लाने के प्रयास हो रहे हैं जिसके सुखद परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

बच्चों को समाज के प्रति आकर्षित करने और उनकी रूचि को बढ़ावा देने के लिए महापरिषद के द्वारा गत माह से चतुर्वेदियों को जानो प्रतियोगिता भी शुरू की है। प्रतियोगिता क्रमांक 01 के परिणाम पत्रिका के इस अंक में दिए जा रहे हैं। सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार भी दिए जाएंगे। साथ ही प्रतियोगिता क्रमांक 02 भी प्रकाशित हो रही है।

पत्रिका का अगला अंक शिक्षा विशेषांक होगा जिसके लिए दो चीजों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कि देश में चतुर्वेदी बांधवों द्वारा संचालित संस्थाओं का परिचय और उन में संचालित कोर्सेज की जानकारी जिससे इस वर्ष जिन बच्चों ने कक्षा 10 वीं और 12वीं पास की है उनके लिए आगे की तैयारियां करने में सहायता मिल सके। इसके लिए सभी बंधुओं से अनुरोध है कि 20 जुलाई 2023 तक सभी बांधव जो उच्च शिक्षा संस्थान संचालित कर रहे हैं या कोचिंग इंस्टीट्यूट संचालक हैं वह अपना आलेख एवं विज्ञापन अवश्य उपलब्ध कराएं जिससे समाज के बच्चों को लाभ प्राप्त हो सके।

हमें पूरी आशा है कि 'समाज दर्पण' के पिछले दो अंक आपको मिले होंगे तीसरा अंक आपके हाथ में है श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की कोशिश है कि आपको समाज की ई–पत्रिका हर महीने मिलती रहे। आशाा है कि आपकी प्रतिक्रियाओं से हमें संबल मिलता रहेगा।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि अपने विचारों से हमें अवगत कराते रहें। हमारा ई मेल है– editor.magazine 2023@gmail.com

आपका अपना
–संपादक

'चतुर्वेदियों को जानो' क्विज प्रतियोगिता-2

(श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के बच्चों–8 से 18 वर्ष आयु वर्ग हेतु)

आपको जानकर हर्ष होगा कि श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा, अपनी डिजीटल पत्रिका के माध्यम से इस बदलते सामाजिक परिवेश में हमारे बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने के लिए 'चतुर्वेदी को जानो' क्विज प्रतियोगिता प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

हमारी चतुर्वेदी संस्कृति एवं राष्ट्रीय संस्कृति से संबंधित हर अंक में 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्नों के जबाव अंक प्रकाशित होने के 10 दिन में निम्न किसी एक को व्हाट्सेप पर भेजना होगा।

1. श्री ज्ञान चतुर्वेदी–संयोजक 7879874705
2. श्री अतुल वी एन चतुर्वेदी–संपादक 9412320994
3. श्रीमति गंगारानी–सदस्या 6398020348
4. श्री मुकेश चौबे–सदस्य 7587116559
5. श्री सुधीर चतुर्वेदी–सदस्य 8097701529

नोटः– 1. प्रतियोगी अपने उत्तर के साथ पासपोर्ट साइज फोटो, जन्मतिथि प्रमाणपत्र अवश्य भेजें।

2. प्रथम तीन विजेताओं का नाम फोटो सहित अगले अंक में प्रकाशित होगा।
3. प्रथम पुरस्कार रु.501, द्वितीय रु. 251 एवं तृतीय रु.101 महापरिषद द्वारा दिए जाएंगे।
4. निर्णायक मंडल का निर्णय सबको मान्य होगा।

आप सभी से निवेदन है कि बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करें। धन्यवाद संयोजक

क्विज क्रमांक–2

प्रश्न–1 निम्न में कौन सा गांव चतुर्वेदीयों के भदावर क्षेत्र में नहीं आता?
क) होलीपुरा ख) तालगांव ग)उचाड़ घ) कमतरी।

प्रश्न–2 अभी हाल ही में किस चतुर्वेदी सभा का चुनाव हुआ है?
क) कानपुर ख) लखनऊ ग) आगरा घ) कोलकाता।

प्रश्न–3 विश्राम घाट किस शहर में स्थित है?
क) हरिद्वार ख) बनारस ग) मथुरा घ) प्रयागराज।

प्रश्न–4 हमारे चतुर्वेदी समाज के कितने गोत्र–अल्ल हैं?
क) 8 गोत्र 65 अल्ल ख) 9 गोत्र 68 अल्ल ग) 5 गोत्र 45 अल्ल घ) 7 गोत्र 64 अल्ल।

प्रश्न–5 कौन से शहर के पास हैं–
क) ग्वालियर ख) मुरैना ग) करौली घ) भरतपुर।

प्रश्न–6 श्री माथुर चतुर्वेदी का गठन कितने राज्यों में हो चुका है?
क) 11 ख) 19 ग) 15 घ) 10

प्रश्न–7 हमारे समाज में किस आयोजन पर मुगल पसारे जाते हैं?
क)नामकरण पर ख) उपनयन संस्कार पर ग) पक्कायत पर घ) विवाह समारोह में।

प्रश्न–8 इनमें से कौन कवि हमारे समाज से नहीं हैं?
क) स्व.शैल ख) स्व.माखनलाल ग) स्व. प्रदीप घ) स्व.दिनकर

प्रश्न–9 इनमें कौन सा संबोधन माथुर चतुर्वेदी समाज का नहीं है?
क) जय श्रीकृष्ण ख) पालागन ग) नमस्ते घ) जय गोपाल

प्रश्न–10 मथुरा में चतुर्वेदी समाज द्वारा आयोजित होने वाले मेले का क्या नाम है?
क) बरसाने का मेला ख) गोवर्धन का मेला ग) कंस का मेला घ) यमुना जी का मेला

क्विज प्रतियोगिता उत्तर पत्रक

नाम –

जन्म तिथि –

पिता का नाम –

माता का नाम –

पता –

स्कूल का नाम एवं पता–

आधार कार्ड नम्बर–

फोटो

1–		6–	
2–		7–	
3–		8–	
4–		9–	
5–		10–	

दिनांक :

क्विज प्रतियोगिता प्रथम के परिणाम निम्न प्रकार घोषित

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा आयोजित 7 बर्ष से 18 वर्ष के श्री माथुर चतुर्वेदी परिवार के बच्चों के ज्ञानवर्धन के लिए 'समाज दर्पण' में हर माह प्रकाशित होने बाली क्विज प्रतियोगिता प्रथम का परिणाम निर्णायक कमेटी ने निम्न प्रकार घोषित किया गया है। इस प्रतियोगिता में देश भर से 14 होनहार बच्चों ने उत्साह उमंग के साथ भाग लिया था।

चूंकि सभी के प्रश्नोत्तर सन्तुष्ट जनक थे, अतः सभापति जी से चर्चा पश्चात सभी निम्न 14 प्रतिभागियों को समान पुरस्कार राशि रु.101 देने का निर्णय लिया गया है।

1. श्रेयांश चतुर्वेदी (8)/श्री योगेन्द्र रिचा फिरोजाबाद, उ.प्र.
2. वैभब चतुर्वेदी(10)/श्री मोहन चतुर्वेदी हुगली पश्चिम बंगाल।
3. कु.निमिषा (13)/ स्व. श्री रजत चतुर्वेदी जयपुर राजस्थान।
4. वैभब चतुर्वेदी (10)/ श्री प्रणव चतुर्वेदी गुरुग्राम, हरियाणा।
5. कु.काया चतुर्वेदी (11)/ श्री बांके बिहारी चतुर्वेदी मथुरा उ.प्र।
6. कु.यशिंका चतुर्वेदी/ श्री रामेश्वर जी हरिद्वार उत्तराखंड।
7. शिशिर चतुर्वेदी/ श्री सांवलिया जी मथुरा उ.प्र.।
8. कु.छवि चतुर्वेदी/ श्री महेंद्र जी डबरा म.प्र.।
9. कु.श्रेया चतुर्वेदी/ श्री जितेन्द्र जी नगला पाया उ.प्र.।
10. श्रेयांश चतुर्वेदी/ श्री अभय राज जी गुरुग्राम,हरियाणा।
11. निपुण चतुर्वेदी/ श्री प्रणव जी गुरुग्राम,हरियाणा।
12. धवल चतुर्वेदी/ श्री नागेंद्र जी फैजाबाद।
13. यश चतुर्वेदी/ श्री रामेश्वर जी हरिद्वार,उ.प्र.।
14. अनुष्क चतुर्वेदी/ श्री जयपुर राजस्थान।

सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं, आशीर्वाद।

आपके पुरस्कार राशि व प्रमाण पत्र आपके पोस्टल एड्रेस पर प्रेषित कर दिए जाएंगे।

जागृति बनाए रखें, सफलता आपके कदम चूमे।

ज्ञान चतुर्वेदी

राष्ट्रीय संयोजक

'चतुर्वेदियों को जानो' क्विज प्रतियोगिता, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार।

आत्म विभोर करने वाली अनुभूति

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय संयोजक जनगणना कार्यक्रम श्री सी. पी चतुर्वेदी (मुम्बई) ने 4 दिवसीय राजस्थान दौरे पर श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के बन्धु बांधवों से डोर टू डोर राजस्थान के करौली के 7 गांवो में सतत जनसंपर्क कर समाजिक जनगणना के लिए जागरूक किया। श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा पहली बार महा जनगणना आभियान कार्यक्रम में समाज के महिला, पुरुष, व युवाओ ने गर्मजोशी से राष्ट्रीय संयोजक सी. पी. चतुर्वेदी और उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉली चतुर्वेदी व राष्टीय संगठन मंत्री श्री राम सरुप चतुर्वेदी, राष्ट्रीय कार्यकारणी के विशेष आमंत्रित सद्स्य श्री सत्येन जी चतुर्वेदी जिला अध्यक्ष, श्री कैप्टन परमानंद चतुर्वेदी, राजकुमार चतुर्वेदी, श्री वैधनाथ चतुर्वेदी, नरेन्द्र चतुर्वेदी राजेश चतुर्वेदी, उमेश चतुर्वेदी, दयानंद चतुर्वेदी, देवेंद्र चतुर्वेदी, श्रीमती कमला चतुर्वेदी आदि पदाधिकारियों का समाज की ओर से जगह जगह भव्य स्वागत करते हुऐ ऑनलाइन जनगणना कार्यक्रम में उत्साह से हिस्सा लिया। राजस्थानी स्वागत परम्परा के अनुसार अतिथियो का शॉल, साफा, मालाओं से सरोपा भेट किए गए।

इसी क्रम में सी.पी. चतुर्वेदी ने अपना जन्मदिन को मां कैला देवी के मन्दिर में सपत्नीक पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कैला मां से महापरिषद व समाज की प्रगति की मंगल कामना की व समाज के साथ सादगी से मनाया।

इसी दिन मुँबई वापस लौटते हुए सवाईमाधोपुर में भी राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री श्री मधुमुकुल चतुर्वेदी के निवास पर समाजिक बंधुओ से मुलाकात कर जनगणना कार्यक्रम की जानकारी दी और अधिक से अधिक जुड़ने की अपील की । समाजिक जनगणना हमारा राष्ट्रीय मिशन है। इस अभियान का हिस्सा छोटे बच्चे से बुजुर्ग महिला/पुरुष की उपस्थिति से समाज संगठित नजर आएगा। इस संदेश के साथ समाज जन जागरण का यह सफल दौरा कर मुम्बई को प्रस्थान किया।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को श्री सी. पी. भाई की कार्यशैली पर गर्व है वो योजनाबद्ध तरीके से जनगणना कार्यक्रम को प्रगति पथ पर समर्पण भावना के साथ आगे ले जा रहे है।

हम होगे कामयाब एक दिन, मन में है विश्वास.....

रामस्वरूप चतुर्वेदी
करौली

जय श्री कृष्णा, पालागन।

मेरा चार दिवसीय करौली प्रवास, मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय कालखंड है।

यहाँ बिताया हुआ एक एक क्षण अविस्मरणीय है और मेरे मानस पटल पर आजीवन रहेगा।

ये सिर्फ जनगणना को आगे बढ़ाने का ही प्रयास नहीं था, ये समाज को समाज से जोड़ने का भी प्रयास था। मैं इस क्षेत्र के संपूर्ण समाज का हृदय के अंतःकरण से आभार व्यक्त करता हूँ,जिन्होंने इतना आदर और सम्मान दिया।और जनगणना के प्रयास को अपना दायित्व बना लिया।

इस यात्रा की विस्तृत जानकारी 2 जुलाई 2023 को होने वाली कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्तुत करूँगा।

अब मैं चाहता हूं कि हम एक आवाहन करें कि मेरा समाज मेरा अपना है, मैं समाज का एक अटूट हिस्सा हूँ और मैंने सम्पूर्ण विश्व में फैले अपने समाज को जोड़ने ,उसे जानने, समझने ने के लिए की जा रही जनगणना के लिए अपना और अपने परिवार का जनगणना का फॉर्म भर दिया है।

धन्यवाद सहित।

सी पी चतुर्वेदी
राष्ट्रीय संयोजक, जनगणना कार्यक्रम

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद पश्चिम बंगाल प्रदेश की प्रथम कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद पश्चिम बंगाल इकाई की प्रथम कार्यकारिणी बैठक श्री गोकरण नाथ जी (तालगांव) के रिसड़ा स्थित आवास पर 21 मई 2023 की शाम 5 बजे से आयोजित की गयी।

उक्त अवसर श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज जी (जयपुर), राष्ट्रीय संरक्षक ब्रजमोहन जी (मुम्बई), राष्ट्रीय महामन्त्री प्रणव (चेतन) जी, संविधान समिति के सदस्य निशीथ जी (डबरा), राष्ट्रीय संयोजक सी पी चतुर्वेदी जी (मुम्बई) एवं राष्ट्रीय महिला मण्डल से मीना जी तथा प्रान्तीय महिला मण्डल की अमृता (चंचल) जी ने गूगल मीट के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया, उक्त अवसर पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने जनगणना एवं संकल्प पत्र के कार्य को तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर कार्यकारिणी सदस्य द्वारा अपने नजदीक के 5 से 7 स्थानीय घरों से सम्पर्क कर के एक जनसम्पर्क अभियान चलाया जाये जिसके तहत हर माथुर चतुर्वेदी परिवार के हर सदस्य द्वारा फॉर्म के जरिये जनगणना कार्य को गति दी जाये तथा 18 वर्ष से ऊपर के सदस्यों से संकल्प पत्र भरने का अनुरोध करें ।

इसके साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि पश्चिम बंगाल में रहने वाले बान्धवों के साथ आपसी मिलन के उद्देश्य से शीघ्र ही एक साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाये। उक्त अवसर पर संस्था के प्रान्तीय अध्यक्ष फतेह चन्द जी, उपसभापति भुवनेश जी (लिलुआ), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भुवनेश जी (कोलकाता), सांस्कृतिक मंत्री राजेश जी , संगठन मंत्री अनूप जी , कार्यकारिणी सदस्य सन्दीप जी, दुष्यन्त जी, मीडिया प्रभारी पंकज पाण्डे जी, महिला मण्डल से प्रीती जी, राखी जी ,प्रान्तीय संरक्षक नरेश चन्द जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं संविधान समिति के सदस्य सुधीर जी, राष्ट्रीय समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) सूर्य कान्त (मोहन) जी उपस्थित रहे ।

उक्त अवसर पर मौके पर ही 25 संकल्प पत्र संकलित किये गये एवं एक डेमो के मार्फत फॉर्म भरने एवं submit करने का तरीका सदस्यों को समझाया गया ।

उक्त मीटिंग में विशेष आमंत्रित सदस्य कलकत्ता सभा के अध्यक्ष अनुज जी तथा सचिव अनुज जी सहित किशन जी एवं हितेश जी उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष फतेह चन्द जी द्वारा बैठक के स्थानदाता सहित उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सूर्य कान्त चतुर्वेदी (मोहन)
राष्ट्रीय समन्वयक
(पुरा / टूण्डला / रिसड़ा)

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक एवं जिला शाखा करौली का अधिवेशन सम्पन्न

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग के द्वितीय दिवस पर 28 मई को ग्राम एकट बोध जिला–करौली में राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष श्री हृदयेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में भव्य शुभारम्भ हुआ।

कार्यक्रम के शुभारम्भ से पूर्व श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी, जनगणना के राष्ट्रीय संयोजक श्री सी.पी. चतुर्वेदी, प्रदेशाध्यक्ष श्री हृदयेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष–श्री पी.बी.चतुर्वेदी, महामंत्री–पीयूषपाणि चतुर्वेदी,जिलाध्यक्ष करौली–कैप्टन श्री परमानंद चतुर्वेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा बालकों द्वारा किये गए वेदमंत्रों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर समाज के मेधावी छात्र–छात्राओं, समाज के वरिष्ठ नागरिकों, समाज सेवा में अपना सक्रिय योगदान देने वाले बांधवो का करौली के जिलाध्यक्ष– श्री परमानन्द चतुर्वेदी सहित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय संरक्षक–श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी,जनगणना के राष्ट्रीय संयोजक–श्री सी.पी. चतुर्वेदी तथा सहधर्मिणी श्रीमती स्वर्ण लता चतुर्वेदी, राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी के अध्यक्ष–श्री हृदयेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष श्री पी.बी.चतुर्वेदी एवं श्री संजय कुमार चतुर्वेदी, महामंत्री–पीयूषपाणि चतुर्वेदी, सांस्कृतिक मंत्री–अर्चना चतुर्वेदी, महिला परिषद की सह–संयोजिका श्रीमती विमलेश चतुर्वेदी, सदस्य–श्रीमती मंजू चतुर्वेदी, युवा परिषद के संयोजक–श्री प्रदीप चतुर्वेदी, सह–संयोजक–श्री रूपेश चतुर्वेदी, सदस्य–अमित चतुर्वेदी, सचिन चतुर्वेदी, महेन्द्र चतुर्वेदी 'छोनु', अर्पित चतुर्वेदी का माल्यार्पण,दुपट्टा अर्पण,राजस्थानी पगड़ी एवं आराध्यदेव श्री मदन मोहन जी का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया ।

इस अवसर पर जनगणना के राष्ट्रीय संयोजक श्री सी.पी. चतुर्वेदी ने देश और विदेश में निवास कर रहे बांधवो की जनगणना के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपस्थित विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के व्यापक विकास का मुख्य आधार जनगणना ही है जिससे हम समाज के छात्र–छात्राओं, युवा बेरोजगार, समाज के विवाह योग्य बालक बालिकाओं, वरिष्ठ जन को पेंशन आदि के लाभ से लाभान्वित कर सकते हैं, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की स्थापना के अभी 2 माह की उपलब्धि

रही है कि हम 17000 लोगो की जनगणना, 400 शहरों एवं 15 देशों में रहने वाले बांधवो के ही आंकड़े एकत्र कर सके हैं। महापरिषद के इस जनगणना अभियान में हम सभी को अपनी महती भूमिका का निर्वहन करना होगा तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे ।

इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का वर्चुअल रूप से जुड़कर श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय संरक्षक श्री बृज मोहन जी चतुर्वेदी, राष्ट्रीय सभापति–श्री नीरज जी चतुर्वेदी,महामंत्री संगठन–श्री प्रणव जी चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री निशीथ जी चतुर्वेदी, युवा परिषद के अध्यक्ष श्री आशीष जी चतुर्वेदी तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से जुड़े बांधवों ने सीधा प्रसारण देखते हुए आयोजक गण को इस भव्य एवं सफल आयोजन के प्रति अपनी शुभकामनाये संप्रेषित की ।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के अध्यक्ष श्री ह्रदयेश चतुर्वेदी, महामंत्री पीयूषपाणि चतुर्वेदी ने इस भव्य आयोजन के लिए आयोजन के संयोजक श्री सत्येन चतुर्वेदी–श्रीमती कमला देवी चतुर्वेदी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री राम स्वरूप जी चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष कैप्टन परमानंद चतुर्वेदी, प्रदेश मंत्री श्री राजकुमार चतुर्वेदी, श्री नरेंद्र चतुर्वेदी,श्री सुरेश चतुर्वेदी, श्री गोपाल जी चतुर्वेदी, श्री देवेंद्र चतुर्वेदी सहित करौली के 7 गाँवों से पधारे हुए समस्त बान्धवों, मातृशक्ति का आभार व्यक्त करते हुए अधिकाधिक रूप से जनगणना से जुड़ने का आव्हान किया । श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद करौली शाखा के अध्यक्ष कैप्टन श्री परमानंद जी चतुर्वेदी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि अकेले करौली के 7 गांव से कम से कम 10,000 लोगों की जनगणना कराने का संकल्प लेता हूँ और यह निकट भविष्य में निश्चित रूप से पूर्ण होगा ।कार्यक्रम के अंत मे उपस्थित विशाल जन समुदाय ने सामूहिक रूप से दाल, बाटी, चूरमा, गट्टे की सब्जी का रुचिकर भोजन ग्रहण करने के पश्चात केला मैया के दर्शन कर अपने अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया ।

पीयूषपाणि चतुर्वेदी
महामंत्री श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान

करौली एवं सायपुर में जनगणना के लिए जन सम्पर्क करते हुए श्री सी पी चतुर्वेदी एवं श्रीमती डोली चतुर्वेदी

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद, हरियाणा प्रदेश की प्रथम बैठक सम्पन्न

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी के निर्देशानुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद हरियाणा की प्रथम वैठक प्रदेश अध्यक्ष डा. धीरज चतुर्वेदी की अध्यक्षता में रविवार दिनांक ४ जून २०२३ को सुबह ११–३ बजे जिमखाना क्लब, सेक्टर ४ गुरुग्राम में आयोजित की गई। वैठक में गुरुग्राम से भारी संख्या में महिला, पुरुष पदाधिकारियों के अलावा कुरुक्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष डा. धीरज एवं मृदुला चतुर्वेदी, पानीपत से उपाध्यक्ष श्री सुशील चतुर्वेदी तथा पुत्र अनुनय, देहली से विशेष आमंत्रित राष्ट्रीय संरक्षक श्री हीरा लाल पांडे एवं राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती निकिता चतुर्वेदी तथा महासचिव देहली महापरिषद श्री (नाम), गाजियाबाद से राष्ट्रीय संरक्षक श्री वी. एन. चतुर्वेदी एडवोकेट शामिल हुए। अस्वस्थता के कारण सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी गुरुग्राम नहीं आ पाए। मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम/नीदरलैंड के अनुभवी डा. विकाश एवं श्रीमती नेहा चतुर्वेदी ने सभा का गौरव वढाया। श्री नरेश नाथ चतुर्वेदी ने गंभीर बीमारी के वावजूद उपस्थित होकर उत्साह बढ़ाया। सभी अतिथियों का भारतीय परंपरा अनुसार तिलक लगाकर पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष डा. धीरज चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि डा. विकास चतुर्वेदी, राष्ट्रीय संरक्षकगण श्री हीरा लाल पांडे एवं श्री वी. एन. चतुर्वेदी एडवोकेट, प्रांतीय संरक्षकगण श्री यतीन्द्र नाथ चतुर्वेदी, श्री भुवन चतुर्वेदी, डा. शरद चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ महिलाएं श्रीमती मीना एवं श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी को सम्मान सहित मंचासीन कर कराया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का विवरण निम्न प्रकार है–

१. सबसे पहले बाल कलाकारों ने नाट्य द्वारा श्री गणेश वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद अनेक बाल कलाकारों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समां बाँध दिया। राष्ट्रीय संरक्षक श्री वी. एन. चतुर्वेदी एडवोकेट इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उसी समय आशीर्वाद स्वरूप प्रत्येक कलाकार को नगद राशि देकर प्रोत्साहित किया.

२. प्रदेश अध्यक्ष डा. धीरज चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि डा. विकास चतुर्वेदी का स्वागत करते हुए धन्यवाद दिया कि उन्होंने उसी दिन नीदरलैंड की फ्लाईट होने के वावजूद हमारे आमंत्रण को स्वीकार किया। तत्पश्चात उन्होंने मंचासीन अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया। साथ ही नारी शक्ति और युवाओं का भावभीनी स्वागत तथा प्रस्तुति के लिए धन्यवाद किया.

३. मुख्य अतिथि डा. विकास चतुर्वेदी ने महापरिषद को अपने अनुभव का लाभ 4 C के माध्यम से दिया. यानि CONNECTIVITY (संबद्धता), COLLABORATED APPROACH (सहयोगात्मक दृष्टिकोण), COMBINED EXPERTISE (संयुक्त विशेषज्ञता), COMMUNICATION (सवाद)।

४. मंचासीन अतिथियों ने क्रमशः अपने विचार महापरिषद के गठन, उद्देश्य, जनगणना कार्यक्रम, सदस्यता अभियान और भावी योजनाओं के बारे में रखे।

५. इस वैठक का लाइव प्रसारण ऑनलाइन भी किया गया जिसमें जयपुर से सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी, कानपुर से राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्री प्रणव चतुर्वेदी (चेतन), डबरा से राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ चतुर्वेदी, मुंबई से राष्ट्रीय जनगणना संयोजक श्री सी. पी. चतुर्वेदी, मथुरा से राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री आशीष चतुर्वेदी ने भी अपने विचार रखे।

६. सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी की सहमति के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष डा. धीरज चतुर्वेदी ने प्रदेश कार्यकारिणी में निम्न सदस्यों को मनोनीत किया, जिसका उपस्थित सदन ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

☐ श्री विकास चतुर्वेदी– प्लानिंग एडवाइजर ☐ श्री त्रिपुरारी (अतुल) चतुर्वेदी– स्किल डेवलपमेंट एडवाइजर

☐ श्री भारतेंदु चतुर्वेदी– सचिव ☐ श्री अंकित चतुर्वेदी– सह सचिव

☐ श्री अनवेश चतुर्वेदी– सह सचिव

मंच का संचालन महामंत्री संगठन श्री प्रणव चतुर्वेदी और महासचिव श्री आलोक पांडे ने किया। कार्यकारिणी ने श्री प्रणव चतुर्वेदी और उनकी समस्त टीम को सुरूच पूर्ण भोजन और उत्तम प्रवंधन के लिए साधुवाद के साथ धन्यवाद से कार्यक्रम का समापन किया।

आलोक पांडे
महासचिव, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद हरियाणा प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद उत्तर प्रदेश की प्रथम कार्यकारिणी बैठक टीआरसी कालेज बाराबंकी में सम्पन्न

मुझे यह सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि विगत दिनांक 11.6.23, रविवार को माथुर चतुर्वेदी महापरिषद उत्तर प्रदेश प्रान्त की प्रथम कार्यकारिणी/पदाधिकारियों का सम्मेलन सप्तऋषियों की पुण्य भूमि सतरिख स्थित टी आर सी ला कालेज बाराबंकी में कुल देवी मां चर्चिका देवी एवं मां महाविद्या देवी के आशीर्वाद से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सर्वप्रथम कार्यक्रम के मंच संचालन हेतु भाई सुबोध जी द्वारा श्रीमती अलका जी को आमंत्रित किया गया। तत्पश्चात् सम्मेलन में पधारे मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय संरक्षकगण, पदाधिकारियों एवं सभी अतिथियों का स्वागत प्रांतीय अध्यक्ष डा० सुजीत जी द्वारा करते हुए माननीय मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को हरीश जी महामंत्री एवं नागेन्द्र जी मंत्री द्वारा मंचासीन कराया गया।

कार्यक्रम का श्रीगणेश मुख्य अतिथि एवं समाज के गौरव वयोवृद्ध स्थानीय बांधव महेश चन्द्र जी एवं उमेश जी के अलावा प्रान्तीय संरक्षक गणेश जी,नवीन जी, अनिल (टिल्लू) जी , भूपेन्द्र नाथ जी मैनपुरी, अतुल वी एन जी इटावा संपादक 'श्री माथुर चतुर्वेदी पत्रिका समाज दर्पण',पश्चिम बंगाल से पधारी श्रीमती मीना चतुर्वेदी, दीप चन्द्र जी उपाध्यक्ष राजस्थानप्रांत, सुबोध जी संरक्षक केंद्रीय कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रणव चतुर्वेदी जी ने दीप प्रज्ज्वलित करके एवं श्रीमती अलका जी द्वारा गणेश बन्दना द्वारा किया गया। तत्पश्चात् महामंत्री हरीश जी, नगेन्द्र (निक्की) जी मंत्री ,गौरव जी, धर्मेन्द्र जी,मुदित एवं श्रीमती अलका जीश्रीमती मोहिता जी द्वारा सभी अतिथियों को माल्यार्पण करके एवं फटका भेंट कर सम्मानित किया गया।

बैठक का प्रारंभ महामंत्री हरीश जी के प्रतिवेदन से हुआ उन्होने महापरिषद के गठन की आवश्यकता एवं बृहत समाज की सार्थकता से चर्चा प्रारंभ की। इसी क्रम में मंच पर बिराजमान हमारे मुख्य अतिथि श्री महेश जी, श्री उमेश जी श्री भूपेन्द्र जी, श्रीमती मीना जी, श्री दीप चन्द्र जी, श्री गणेश जी, एवं श्री नवीन जी द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये । श्री सुबोध जी द्वारा महापरिषद की उपादेयता, जनगणना कार्य की समीक्षा एवं महापरिषद के संकल्प–पत्र पर अपने विचार साझा किए साथ में सभी सदस्यों द्वारा उस में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। प्रभात जी सिकंदर पुर खास,जो अभी हाल में हिंडाल्को से प्रेसीडेंट पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और संतोष मिश्र जी लखनऊ को सर्वसम्मति से प्रांतीय कार्यकारिणी में

क्रमशः उपाध्यक्ष एवं स्थाई आमंत्रित पदों पर मनोनीत किया गया आपने महापरिषद की भावी योजनाओं में पूर्ण मनोयोग से सहभागिता हेतु आश्वासन दिया।तत्पश्चात अतुल वीं एन जी, सम्पादक द्वारा परिषद के मुखपत्र डिजीटल पत्रिका 'समाज दर्पण' के कार्य की समीक्षा की एवं इसमें प्रकाशनार्थ सभी से अपने लेख,काव्य एवं छपने हेतु सामग्री भेजने का आव्हान किया। जूम के द्वारा राष्ट्रीय संरक्षक भाई बृजमोहन जी मथुरा/मुम्बई एवं सुखदेव जी डबरा एवं राष्ट्रीय सभापति नीरज जी ने भी बैठक को सम्बोधित किया। जिसे उपस्थित जनसमुदाय द्वारा पूरे मनोयोग से सुना गया। इसी क्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रणव जी ने अपने ओजपूर्ण यथार्थ एवं सारगर्भित उद्गारो को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में संबोधित किया। श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन की आवश्यकता क्यों एवं किन कारणों से महसूस हुई के साथ भविष्य में होने वाली कार्ययोजना का प्रारूप भी समाज के सामने प्रस्तुत किया। साथ ही समाज की पत्रिका 'समाज दर्पण' पर होने वाला व्यय में खुले मन से सहयोग करने की भी अपील करी। इसी कड़ी में 'खुले मंच' के अंतर्गत आए हुए सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित सभी बांधवों से अपने शंका समाधान एवं उद्गार व्यक्त करने हेतु मंच संचालिका अलका जी द्वारा सभी को मंच पर आमंत्रित किया गया । चर्चा में श्री भारत जी,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला सदस्य श्रीमती मोहिता चतुर्वेदी, श्रीमती श्वेता चतुर्वेदी श्रीमती मीना जी, श्री प्रभात जी लखनऊ, कर्नल जितेन्द्र जीअजमेर, श्री शिशिर चतुर्वेदी महामंत्री श्री माथुर चतुर्वेदी मण्डल, लखनऊ,भाई जलज जी, गोरखपुर से पधारे संजीव जी, ऊर्जावान युवा साथी गौरव जी,एवं नितिन (अंचल) जी ,———— एवं अन्य गणमान्य सदस्यों ने भी सहभागिता की। सभी बांधवों की मांग पर श्री उमेश चतुर्वेदी बाराबंकी, महेश जी लखनऊ एवं श्री प्रणव जी द्वारा सुंदर होरियों की प्रस्तुति की गई। उपस्थित जनसमूह ने करतल लय से उनका साथ दिया,देखते ही बन रहा था यह दृश्य। कार्यक्रम के अन्त में प्रदेश अध्यक्ष श्री सुजीत चतुर्वेदी द्वारा दूर –दूर से पधारे सभी सम्माननीय अतिथियों का आभार ज्ञापन किया गया ,साथ ही 'आगामी २ जुलाई भोपाल में आयोजित महापरिषद के केंद्रीय एवं मध्यप्रदेश कार्यकारिणी के परिचय सम्मेलन सह संयुक्त कार्यक्रम को सफल बनाने का आवाह्न किया',उन्होंने अपने पूर्वजों के नाम पर स्थापित की गई धरोहर 'टी आर सी ला कालेज' का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम के समापन के पूर्व हमारे बिधिक परिषद के राष्ट्रीय सह संयोजक महेन्द्र चतुर्वेदी मुम्बई, फणीन्द्र नाथ जी कानपुर, दुर्गेश जी मैनपुरी, गायत्री जी आगरा, रमेश चंद्र जी मैनपुरी/लखनऊ/सिलवासा,रीना जी पुरा सिलीगुड़ी, समीर जी भरतपुर, कस्तूरी जी कछपुरा/आगरा,एवं डा०अंकित चंद्रपुर/लखनऊ की दुखद मृत्यु पर उनकी आत्मा को शांति प्रदान हेतु दो मिनट का मौन रखा गया। अंत में प्रांतीय संरक्षक भाई अनिल कुमार 'टिल्लू' जी एवं दिलीप जी बाराबंकी द्वारा सभी को सहभोज हेतु आमंत्रित करते हुए सभा सम्पन्न घोषित की गई। स्थानीय बांधवों सहित उपस्थिति लगभग ७५ रही।

भवदीय– हरीश चतुर्वेदी
महामंत्री, उत्तर प्रदेश

माथुर चतुर्वेदी युवा महापरिषद का विस्तार

सभी श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार को

सादर पालागन एवं जय श्री कृष्ण

आदरणीय संरक्षकगण एवं सभापति महोदय व महामंत्री महोदय एवं युवा महापरिषद के प्रभारी महोदय की अनुमति से श्री माथुर चतुर्वेदी युवा महापरिषद का एक विस्तार और किया गया है वह निम्नलिखित है–

उपाध्यक्ष – श्री दीपेन्द्र चतुर्वेदी (मथुरा)
महामंत्री – श्री बालकृष्ण चतुर्वेदी (मथुरा)
मंत्री – श्री अमित चतुर्वेदी (आगरा)
मंत्री – श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी (प्रतापगढ़) राज०
मंत्री – श्री रजनीकांत चतुर्वेदी (करौली)
मंत्री – श्री योगेन्द्र चतुर्वेदी (ग्वालियर)
संगठन मंत्री – श्री दीपक चतुर्वेदी (तरसोखर भिण्ड)
संगठन मंत्री – श्री कपिल चतुर्वेदी (इटावा)
संगठन मंत्री – श्री भास्कर चतुर्वेदी (अलीगढ़)
संगठन मंत्री – श्री आनंद चतुर्वेदी (फिरोजाबाद)
कार्यकारिणी सदस्य
श्री अर्पित चतुर्वेदी (जयपुर)
श्री आशीष चतुर्वेदी (आगरा)
श्री हरेन्द्र चतुर्वेदी (रामपुर मुरैना)
श्री धीरेन्द्र चतुर्वेदी (इटावा)
श्री सुधीर चतुर्वेदी (चंद्रपुर आगरा)
श्री अंकित चतुर्वेदी (झालावाड़)
श्री विवेक चतुर्वेदी (झालावाड़)
श्री लेखराज चतुर्वेदी (करौली)
श्री सुरेन्द्र चतुर्वेदी (चित्तौड़गढ़)
श्री दर्शन चतुर्वेदी (करौली)
श्री अनिल चतुर्वेदी (टॉक)
श्री गोपेन्द्र चतुर्वेदी (उचाड)
श्री गौरव चतुर्वेदी (उचाड)
श्री बृजेश चतुर्वेदी (ललितपुर उ.प्र.)
श्री वेद चतुर्वेदी (मानसरोवर)
श्री समीर चतुर्वेदी (रायपुर छत्तीसगढ़)
श्री प्राग चतुर्वेदी (अंकलेश्वर गुजरात)
श्री मुदित चतुर्वेदी (आगरा)
श्री मयंक चतुर्वेदी (नागपुर)
श्री मयंक चतुर्वेदी (मंसूरी उत्तराखंड)
श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी (ग्वालियर)

परम् सम्मानित श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार जैसा कि मुझे ज्यादा से ज्यादा युवाओं को संगठन से जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई है।

अतः पूर्ण प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा सक्रिय युवाओं को संगठन से जोड़ा जाय फिर भी गलती से कोई नाम आने से रह जाता है तो मेरी गलती को क्षमा करते हुए मुझे मेरे WhatsApp number 9458016680 पर आधार कार्ड के साथ भेजने का कष्ट करें।

अभी सभी प्रदेशों में युवा प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा होना शेष है। अतः सभी से आग्रह है कि मुझे युवाओं के नाम प्रेषित करने की कृपा करें।

एक बार पुनः पालागन एवं जय श्री कृष्ण।

आशीष चतुर्वेदी
राष्ट्रीय संयोजक
श्री माथुर चतुर्वेदी युवा महापरिषद

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला ग्वालियर म0प्र0 की कार्यकारणी

आदरणीय सभापति महोदय श्री नीरज जी, संगठन मंत्री महोदय श्री प्रणव जी, राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ जी, राष्ट्रीय उपसभापति श्री व्यास जी प्रदेश अध्यक्ष श्री तरुण जी एवं कमेटी के सदस्यों की सहमति अनुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला ग्वालियर म0प्र0 की कार्यकारिणी घोषित की जाती है–

विशेष आमंत्रित–

श्री सत्यनारायण चतुर्वेदी	डबरा
डॉ0 राजीव चतुर्वेदी	ग्वालियर
डॉ0 मुकेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री धीरेन्द्र चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री टीकेन्द्र नाथ चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री विकास चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री पंकज चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री उमेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री प्रशांत चतुर्वेदी	ग्वालियर

संरक्षक–

श्री महेन्द्र चतुर्वेदी	डबरा
श्री सुरेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री महेन्द्र चतुर्वेदी	ग्वालियर

अध्यक्ष–

श्री प्रदीप चतुर्वेदी	ग्वालियर

उपाध्यक्ष–

श्री मुकेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री किशोर चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री वीरेन्द्र चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री श्याम चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री कमलकांत चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री अतुल चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्रीमती रश्मी चतुर्वेदी	ग्वालियर

महामंत्री–

श्री राकेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री मुकुल चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री संजीव चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री घनश्याम चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री तरुण चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्रीमती मनीषा चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री उदित चतुर्वेदी	ग्वालियर

मीडिया प्रभारी–

श्री प्रवीण चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री मनोज चतुर्वेदी	डबरा

संगठन मंत्री–

श्री लखन चतुर्वेदी	डबरा
श्रीमती शिप्रा चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री प्रमोद चतुर्वेदी	ग्वालियर

मंत्री–

श्री गौरव चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री योगेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्रीमती आभा चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री देवेन्द्र चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री देवेन्द्र चतुर्वेदी	ग्वालियर (बरी)
श्री दिनेश चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री प्रमोद चतुर्वेदी	डबरा
श्री अभिषेक चतुर्वेदी	ग्वालियर
श्री अमित चतुर्वेदी	ग्वालियर

सांस्कृतिक मंत्री–

श्रीमती मालती चतुर्वेदी	डबरा
श्रीमती सुनीलम चतुर्वेदी	ग्वालियर

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला भिण्ड म0प्र0 की कार्यकारणी

आदरणीय सभापति महोदय श्री नीरज जी, संगठन मंत्री महोदय श्री प्रणव जी, राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ जी, राष्ट्रीय उपसभापति श्री व्यास जी प्रदेश अध्यक्ष श्री तरुण जी एवं कमेटी के सदस्यों की सहमति अनुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला भिण्ड म0प्र0 की कार्यकारिणी घोषित की जाती है–

संरक्षक मण्डल–

श्री नीरज चौबे (मुनुआ) भिण्ड
श्री जयकुमार चौबे भिण्ड
श्री अजय चौबे भिण्ड
श्री तनय चौबे भिण्ड
श्री अशोक चौबे भिण्ड

विशेष आमंत्रित–

श्री श्याम लाल चौबे भिण्ड
श्री घनेश चौबे भिण्ड
श्री लालबहादुर चौबे भिण्ड
श्री मयंक चौबे भिण्ड
श्रीमती अरुणा चौबे भिण्ड
श्रीमती मंजूलता चौबे भिण्ड
श्री हरेश चौबे भिण्ड
श्री खगेन्द्र चौबे भिण्ड
श्री दीपक चौबे भिण्ड
श्री कौशल चौबे भिण्ड

अध्यक्ष–

श्री पवन चतुर्वेदी (बंटी) भिण्ड

उपाध्यक्ष–

श्री नीरज चौबे भिण्ड
श्री रमेश चौबे भिण्ड
श्री संजय चतुर्वेदी भिण्ड (गोरमी)
श्रीमती अल्पना चौबे भिण्ड

महामंत्री–

श्री वैभव चतुर्वेदी भिण्ड
श्री संजय चतुर्वेदी भिण्ड (तरसोखर)
श्रीमती शालिनी चतुर्वेदी भिण्ड

मीडिया प्रभारी–

श्री प्रवीण चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री मनोज चतुर्वेदी डबरा

संगठन मंत्री–

श्री लखन चतुर्वेदी डबरा
श्रीमती शिप्रा चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री प्रमोद चतुर्वेदी ग्वालियर

मंत्री–

श्री गौरव चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री योगेश चतुर्वेदी ग्वालियर
श्रीमती आभा चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री देवेन्द्र चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री देवेन्द्र चतुर्वेदी ग्वालियर (बरी)
श्री दिनेश चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री प्रमोद चतुर्वेदी डबरा
श्री अभिषेक चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री अमित चतुर्वेदी ग्वालियर

सांस्कृतिक मंत्री–

श्रीमती मालती चतुर्वेदी डबरा
श्रीमती सुनीलम चतुर्वेदी ग्वालियर

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला इन्दौर म0प्र0 की कार्यकारणी

आदरणीय सभापति महोदय श्री नीरज जी, संगठन मंत्री महोदय श्री प्रणव जी, राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ जी, राष्ट्रीय उपसभापति श्री व्यास जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री राजेश जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री तरुण जी एवं कमेटी के सदस्य श्री राहुल जी की सहमति के अनुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला इन्दौर म0प्र0 की कार्यकारिणी घोषित की जाती है–

संरक्षक मण्डल–

श्री जुग्गन चतुर्वेदी इंदौर
श्री व्यास चतुर्वेदी इंदौर
श्री के0के0 चतुर्वेदी इंदौर
श्री राजेश चतुर्वेदी इंदौर
श्री सुरेन्द्र चतुर्वेदी इंदौर
श्री तरुण चतुर्वेदी इंदौर

विशेष आमंत्रित–

श्री अवनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी इंदौर
श्री कैलाश नाथ चतुर्वेदी इंदौर
श्री पियूष चतुर्वेदी इंदौर
श्री विवेक चतुर्वेदी इंदौर
श्री मनोज चतुर्वेदी इंदौर

अध्यक्ष–

श्री निखिल चतुर्वेदी इंदौर

उपाध्यक्ष–

श्री महेन्द्र चतुर्वेदी इंदौर
श्री समीर चतुर्वेदी इंदौर
श्रीमती शशि चतुर्वेदी इंदौर
श्री पीयूष चतुर्वेदी इंदौर

महामंत्री–

श्रीमती रागिनी चतुर्वेदी इंदौर
श्री मनीष चतुर्वेदी इंदौर
श्री उमेश चतुर्वेदी इंदौर
श्री विपिन नाथ चतुर्वेदी इंदौर

प्रभारी महिला प्रकोष्ठ–

डॉ0 प्रीती चतुर्वेदी इंदौर
श्रीमती रागिनी चतुर्वेदी इंदौर

संगठन मंत्री–

श्री गौरव चतुर्वेदी इंदौर
श्री पुनीत चतुर्वेदी इंदौर
श्री प्रमेश चतुर्वेदी इंदौर
श्रीमती गीता चतुर्वेदी इंदौर

मीडिया प्रभारी–

श्रीमती सरिता चतुर्वेदी इंदौर

कार्यकारिणी सदस्य–

श्री राजीव चतुर्वेदी इंदौर
श्री गगन चतुर्वेदी इंदौर
श्री कुशाग्र चतुर्वेदी इंदौर
श्री बिन्दु चतुर्वेदी इंदौर

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला उज्जैन म0प्र0 की कार्यकारणी

आदरणीय सभापति महोदय श्री नीरज जी, संगठन मंत्री महोदय श्री प्रणव जी, राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ जी, राष्ट्रीय उपसभापति श्री व्यास जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री राजेश जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री तरुण जी एवं कमेटी के सदस्य श्री राहुल जी की सहमति के अनुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला उज्जैन म0प्र0 की कार्यकारिणी घोषित की जाती है–

संरक्षक मण्डल–

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी उज्जैन
श्री व्यास चतुर्वेदी उज्जैन
श्री तरुण चतुर्वेदी उज्जैन
श्री उमेश चन्द्र चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती इन्द्रा देवी चतुर्वेदी उज्जैन
श्री मुरलीधर चतुर्वेदी उज्जैन
श्री शम्भूदयाल चतुर्वेदी उज्जैन

विशेष आमंत्रित–

श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती विभा चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती विशाखा चतुर्वेदी उज्जैन
श्री रवी चतुर्वेदी उज्जैन
श्री अरविन्द चौबे उज्जैन

अध्यक्ष–

श्री रमेश चन्द्र चतुर्वेदी उज्जैन

उपाध्यक्ष–

श्रीमती अंजू चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी उज्जैन

महामंत्री–

श्री योगेश चन्द्र चतुर्वेदी उज्जैन

सांस्कृतिक मंत्री–

श्रीमती गीतिका चतुर्वेदी उज्जैन

कोषाध्यक्ष–

श्री प्रसन्न कुमार चतुर्वेदी उज्जैन

मीडिया प्रभारी–

श्री अविनाश चतुर्वेदी उज्जैन

संगठन मंत्री–

श्री मिथलेश चतुर्वेदी उज्जैन

कार्यकारिणी सदस्य–

श्री कमल किशोर चतुर्वेदी उज्जैन
श्री सुभाष चतुर्वेदी उज्जैन
श्री अशोक चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती ममता चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी उज्जैन
श्री सिद्धार्थ चौबे उज्जैन
श्री अभिनव चतुर्वेदी उज्जैन

युवा प्रकोष्ठ–

श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी उज्जैन
डॉ0 वैभव चतुर्वेदी उज्जैन
श्री अर्पित चतुर्वेदी उज्जैन
श्री अभिषेक चतुर्वेदी उज्जैन
श्री तरुण चतुर्वेदी उज्जैन
श्री अभिनव चतुर्वेदी उज्जैन
श्री आनन्द चतुर्वेदी उज्जैन

महिला प्रकोष्ठ–

डॉ0 पूर्वी चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती वर्षा चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती नेहा चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती राखी चतुर्वेदी उज्जैन
श्रीमती निशा चतुर्वेदी उज्जैन

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला दतिया म0प्र0 की कार्यकारणी

आदरणीय सभापति महोदय श्री नीरज जी, संगठन मंत्री महोदय श्री प्रणव जी, राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ जी, राष्ट्रीय उपसभापति श्री व्यास जी प्रदेश अध्यक्ष श्री तरुण जी एवं कमेटी के सदस्यों की सहमति अनुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला दतिया म0प्र0 की कार्यकारिणी घोषित की जाती है–

संरक्षक–

श्री मनीराम चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9617130909

अध्यक्ष–

श्री मृगेन्द्र चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 8959018385

उपाध्यक्ष–

श्री सुरेन्द्र बाबू चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9009541886
श्री रामबाबू चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9165615245

महामंत्री–

श्री जीतेन्द्र चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9826168140
श्री प्रकाश चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 7582011512

मंत्री–

श्री राधाकृष्ण चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9981202742
श्री बलराम चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9754342464
श्री विपिन चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9009073041
श्री अजय (गोलू) चतुर्वेदी (उचाड़) दतिया मो0नं0 9039140172

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद पंजाब चंडीगढ़ पदाधिकारी

अध्यक्ष – श्री किशन चतुर्वेदी
उपाध्यक्ष – डा. अनुपम चतुर्वेदी
महा मंत्री – श्री विजय कृष्ण चतुर्वेदी
उप सचिव – श्री दिनकर चतुर्वेदी
संगठन मंत्री – श्री अनुराग चतुर्वेदी
कोषाध्यक्ष – श्री निमिष चतुर्वेदी

महिला प्रकोष्ठ–

अध्यक्ष – श्रीमती नीता चतुर्वेदी
उपाध्यक्ष – श्रीमती वंदना चतुर्वेदी
श्रीमती कुमुद चतुर्वेदी

सांस्कृतिक मंत्री

श्रीमती मोनिका चतुर्वेदी
श्रीमती रवनीत चतुर्वेदी

कार्यकारिणी सदस्य

संदीप जी
शेली जी
आशीष जी
पूनम जी
धवल जी
अनिशा जी
शौर्या जी
टीना जी
निकिता जी
स्तुति जी
वरुण जी
रोहित जी
रूहानी जी
सिद्धार्थ जी
नेहा जी

कार्यक्रम सूचना

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का प्रथम राष्ट्रीय युवक/युवती परिचय सम्मेलन 2 जुलाई को भोपाल में

सभी प्रदेश अध्यक्ष महोदय,

पालागन/जय श्री कृष्णा

आपको व श्री माथुर चतुर्वेदी समाज को हर्ष होगा कि श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद मध्य प्रदेश द्वारा समाज की सबसे बड़ी वैवाहिक समस्या के समाधान की दिशा में एक कुशल पहल करते हुए 02.07.2023 रविवार को भोपाल में राष्ट्रीय कार्यकारणी के साथ विवाह योग्य बच्चों के लिए युवक/युवती परिचय के अयोजन का समाज हित में निर्णय किया हैं। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले इस सम्मेलन में 7 गौत्र 64 अल्ल के अंतर्गत आने वाले बंधु अपने बच्चों के राजिट्रेशन 20 जून 2023 तक निम्न नंबर पर निशुल्क वाट्सअप के जरिए करा सकते हैं। सभी प्रदेश अध्यक्ष अपने प्रदेशो में रहने वाले बांधवों तक इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की जानकारी से अवगत कराते हुए समाज हित के लिए अग्रेषित करे।

एक अच्छे सुखद परिणाम की अपेक्षा के साथ चलो मिलते हैं भोपाल में।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी पदाधिकारियों/सम्मानित सद्स्य महानुभावों (राष्ट्रीय, प्रदेश, जिले, के) से आग्रह है कि प्रदेश अध्यक्ष तरुण जी भोपाल व उनकी आयोजक टीम को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करे।

नीरज चतुर्वेदी
सभापति– श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

महाराष्ट्र प्रदेश की प्रथम कार्यकारिणी की मीटिंग 25 जून को नासिक में

सभी बाधंवो को सादर पालागन, जय श्रीकृष्णा

आप सभी को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि,श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद, महाराष्ट्र प्रदेश की प्रथम कार्यकारणी की मीटिंग 25 जून को नासिक मे आयोजित की गई है महाराष्ट्र प्रदेश की कार्यकारणी के सभी संरक्षक गण, पदाधिकारियो सदस्यो एवम विशेष आमंत्रित सदस्यो की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है,एवम राष्ट्रीय संगठन से जो भी बाधंव आना चाहे उनका बहुत बहुत स्वागत है कार्यक्रम की रूपरेखा निम्न प्रकार रहेगी–

11 बजे मीटिंग का शुभारंभ
अतिथि आमन्त्रण
दीप प्रज्वलन
मंगलाचरण
आगन्तुक महानुभावो एवम कार्यकारणी पदाधिकारियो एवम सदस्यो का स्वागत अभिनन्दन
परिचय कार्यक्रम
संकल्प पत्र उपस्थित सभी सदस्यो दुआरा भरवाना एवम अभियान पर चर्चा,नासिक जिला शाखा की घोषणा
जनगणना अभियान पर चर्चा अभियान के संयोजक श्री सी पी चतुर्वेदी द्वारा
सामाजिक परिचर्चा स्थानीय बाधवो एवम अतिथियो द्वारा
सांस्कृतिक कार्यक्रम
प्रदेश अध्यक्ष का उद्बोधन
धन्यवाद एवम समापन की घोषणा संयोजक महोदय द्वारा
सामूहिक भोज एवम गंतव्य को प्रस्थान

सुधीर कुमार चतुर्वेदी प्रदेशाध्यक्ष
श्री गिर्राज जी चतुर्वेदी प्रदेश उपाध्यक्ष एवम कार्यक्रम संयोजक
श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद,महाराष्ट्र

कार्यक्रम स्थल
जी.पी. फार्म, होटल एन्ड रिसोर्ट नासिक

समाज के युवाओं से मन की बात

प्यारे युवा बन्धुओ व बहनों

सप्रेम जय श्री कृष्णा व पालागन

समाज व देश का भविष्य और उन्नति युवा पीढ़ी पर निर्भर करती है। युवा पीढ़ी और समाज व देश का भविष्य एक दूसरे पर निर्भर करता है। किसी भी देश में अगर युवाओं की संख्या ज्यादा है तो उस देश का विकास भी तेजी से होता है क्योंकि युवा पीढ़ी ही देश का विकास कर सकती हैं। युवा नई सोच और सकारात्मक सोच के साथ देश की प्रगति में अपना योगदान कर सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना है, आज के युवा मै जोश भी है ईमानदारी भी है जो देश को नई सोच के साथ चला सकते है। इसलिए जागो युवा जागो उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तब लक्ष्य को न प्राप्त कर लो। आज के युवा पीढ़ी को पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए, शारीरिक बल व स्पोर्ट्स भी बहुत जरूरी है लेकिन नशे वाली चीजों से दूर रहना चाहिए। युवा आगे बढ़ेंगे तो समाज व देश खुद ही उन्नति करेगा।

गीता के चौथे अध्याय के १३ श्लोक में भगवान ने गुण आधारित चातुर्य वर्ण व्यवस्था बतायी है जिसमें सर्व प्रथम बुद्धिमान मनुष्यों का वर्ग आता है जो सतोगुणी होने के कारण ब्राह्मण कहलाते हैं और यह हमारा सौभाग्य है व पूर्वजों की देन है कि हमें ब्राह्मण कुल में कुसाग्र बुद्धि के आशीष के साथ जन्म मिला है व चतुर्वेदियों को उनमें प्रथम पंक्ति मै स्थान प्राप्त है।

सी ए शिक्षा बुद्धिमान मनुष्यों के लिये आज के आर्थिक युग मैं सर्वाधिक उचित, मितव्ययी व श्रेष्ठ शिक्षा है जिसे हमारे पूर्वजों ने पहचाना, अपनाया व प्रचारित किया यह नाम मात्र के खर्चे व स्वयं की मेहनत के बल पर प्राप्त है। आज हम १००० के लगभग चतुर्वेदी सी ऐ व सी एस है, आइये हम इस प्रगति के अमर पथ पर चलें और अपने साथ समाज व राष्ट्र को भी आगे लेकर चलें।

भवदीय– बृजमोहन चतुर्वेदी
राष्ट्रीय संरक्षक सेवक

सही समय पर करें बच्चों की शादी

राष्ट्रीय श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद में राष्ट्रीय स्तर विवाह संबंध एवं विवाह उपरांत की समस्या को लेकर राष्ट्रीय समीति का गठन किया गया है जो कि एक सराहनीय कदम है। मेरा इस विषय में निवेदन है विवाह संबंधित दिक्कतों को दूर करने हेतु हमें बच्चों की विवाह योग्य उम्र होते ही सिर्फ परिवार देख कर संबंध कर देने चाहिए जैसा कि वर्षों पहले हमारे माता पिता के समय में होता था। उसमें सिर्फ परिवार देखा जाता था, लड़का भविष्य में क्या करेगा यह सब भाग्य पर छोड़ा जाता था। लड़की की उम्र कम होने पर सासू मां उसे एक अभिभावक की तरह हर काम में प्रशिक्षित करती थी, कहीं किसी की ईगो का प्रश्न नहीं उठता था। आज जब बच्चे लड़का हो लड़की अपने पैरों पर खड़े हो रहे हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रहे हैं तब परिस्थित पूरी तरह बदल चुकी है। लड़कियां अपनी पढ़ाई करियर के चक्कर में अपने घर पर ही गृहस्थी के काम में समय नहीं दे पातीं तब शादी के बाद उनसे अचानक ससुराल में एक आदर्श बहू की कल्पना करना बिल्कुल सही नहीं है। या तो ससुराल वाले उसे अपनी बेटी मानकर पूर्ण सहयोग करें अन्यथा संबंधों में दरार आनी शुरू हो जाती है। आज माता पिता को शीघ्र समझ लेना चाहिए कि हमारी बहु ससुराल में सहज महसूस कर रही है अथवा नहीं। जरा भी शंका हो पहले प्रयास में किसी भी तरह के विवाद के पनपने से पहले अच्छे मन से राजी खुशी बेटे बहू को अपनी अलग दुनिया बसाने का अवसर देना चाहिए बहुत से संबंध टूटने से बच सकेंगे। माता पिता चाहें तो आसपास घर लेकर आपस में जुड़े रह सकते हैं। यह मेरी समझ है शायद कुछ लोगों को पसंद आये कुछ को नहीं। निवेदन है कृपया इसे तर्क वितर्क में न डालिऐगा।

मुकेश चौबे

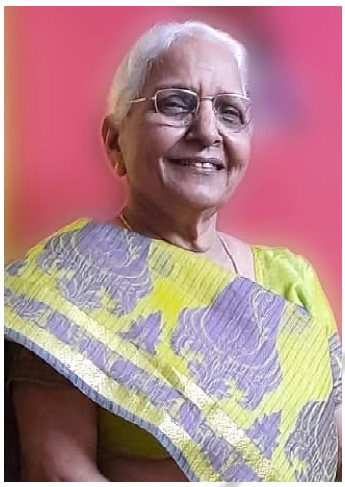

यादें

यह पत्र मेरे पति कर्नल हेम प्रकाश चतुर्वेदी ने 22 जुलाई सन 1980 मे चतुर्वेदी पत्रिका के लिए लिखी था ।किसी कारणवश ये पत्र पोस्ट नही हो सका।एक दिन जब मै उन की फाइल्स निकाल कर चौक कर रही थी उसी बीच मुझे ये पत्र मिला ।मेरी खुशी का तो ठिकाना ही नही था।मुझे ऐसा लग रहा था कि वे जीवित हो कर मेरे कुशल क्षेम लेने आए है।मै पत्र पकड़कर काफी देर तक एक ही मुद्रा मे खडी रही।अचानक पत्र मेरे हाथ से फिसल कर फर्श पर जा गिरा।उसी के साथ मै भी सपनो की दुनिया से निकल कर धरातल पर आ गिरी।अपनी भावनाओ को समेट कर वह पत्र मैने लिफाफे मे रख दिया।आज वह लिफाफा खुला और पत्र आप के सामने आ गया।आशा है आप सब इस पत्र को अवश्य पढेगे।

मीना चतुर्वेदी पत्नी श्री कर्नल हेमप्रकाश चतुर्वेदी

समय की पुकार

कर्नल हेम प्रकाश चतुर्वेदी

आज के युग मे हमारे समाज में युवकों की भूमिका शायद उत्तरदायत्व के हिसाब से अपनी पिछली पीढ़ी से काफी भारी पड़ेगी। आज युवकों को अपने समुदाय से बाहर निकले बिना अपना जीवन निर्वाह कर सकना शायद असंभव सा ही है। इस भारी प्रति स्पर्धा के युग मे अपने पुरातन स्वरूप को बनाए रखना कितना कठिन है ,यह तो शायद वही समझ सकेगा जो अनुकूल परिस्थितियों मे अपने आप को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा हो। आज हमारा अपना कहलाने वाला ''जीवन यापन'' का तरीका ही हमारे पैरों मे बेड़ी सा बनता नजर आ रहा है। मैं अपने इस लेख व्दारा अपनी सामाजिक मान्यताओ अथवा जीवन यापन के तरीके पर कोई कुठाराघात नहीं कर रहा हूँ ,केवल अपनी भावनाएं विचारार्थ प्रस्तुत कर रहा हूँ ,जिस से कोई एसा माध यम निकल सके जो हमारे आधुनिक व्यावहारिक जीवन मे सहायक हो।

जाति गौरव

आज देश मे आंधी सी चलती नजर आरही है, जिस मे सवर्ण की उच्चता को मानने के लिए कोई तैयार नहीं दिखाई देता। केवल उच्च जाती मे जन्म ले कर ऊंचे कहलाना अथवा अपने ऊंचेपन को थोपने का अधिकार पूर्ण रूप से समाप्त हो गया है। एसी परिस्थिति मे यदि आप अपने कर्मों व्दारा जो व्यावहारिक रूप मे खरे उतरे, केवल पुरानी मान्यताओ अथवा उद्धरणों पर आधारित न हों, के आधार पर किसी के सामने अपनी उच्चता की बात कर सकेंगे। अब प्रश्न उठता है की वे क्या विशेषताए हमारी जाती मे हैं और दूसरों मे नहीं है, जिन को उभार कर सामने लाने से हमारी श्रेष्टता स्वयं सामने आ जाएगी।

तालाब मे कूदे बिना तैरना नहीं आ सकता , इसी तरह दुनियादारी मे पूरी तरह घुसे बिना उसे सही रूप से समझ सकना कठिन है। हम जिन बातों को अच्छा समझते है और जिन पर घमंड करते है उन्हे इस दुनिया के बाजार मे सामने ला कर खुले रूप से व्यावहारिकता की कसौटी पर आंकना पड़ेगा।

जाति के अपने स्वरूप को बचाए रखने के लिए क्या यह संभव है कि हम केवल अपने समुदाय के लोगों मे ही मिले ,अन्य समुदाय के लोगों से केवल मौखिक वार्तालाप का संबंध रक्खे। व्यावहारिकता और दिन प्रति दिन के संबंधों से हम पर दूसरों के चाल चलन का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। अब देखना ये है की हम अपने ऊपर दूसरों का असर कहा तक होने

देते है। मेरी राय मे न तो आवश्यकता इस बात की है की हम अपने तौर तरीकों को बिल्कुल भूल जाए और न ही दूसरों की अच्छी बातों को अपनाने से मना करे। सब से अच्छा तरीका यही होगा की हम अपने "जाति गौरव" को अपने तक ही सीमित रक्खे और अपनी अच्छाइयों द्वारा दूसरो को प्रभावित करे ,न की इस विषय को ले कर अपने और दूसरी जाति वालों के बीच खाई बना ले।

पहनावा

आज के युग मे खास तौर पर हमारी युवा महिला वर्ग के सामने यह समस्या है की वे क्या आज के आधुनिक समुदाय मे परंपरागत पहनावे तक ही सीमित रह पाएंगी? लाज परदा किस हद तक चल सकता है यह समय स्वयं हमे बताएगा । यदि समय एवं स्थान की आवश्यकता वश कोई अपने परिधान को बदल लेता है तो व्यर्थ मे नुक्ताचीनी का विषय बन जाता है, और न बदलने पर कभी कभी हंसी का पात्र एवं हीनता की भावना का शिकार बन जाता है। "जैसा देश वैसा भेष " की यथार्थता को समझने मे ही शायद हमारी भलाई है। समय एवं स्थान के अनुसार अपने को सुसज्जित करने मे ही हमारी शोभा एवं गरिमा बनी रहेगी।

खान पान

इस आधुनिकता के भयंकर तूफान के सामने अपने गुणों को बचाएरखना एक जटिल समस्या है । शराब और मुर्गे के दौर मे हमारा खीर और झोर का आस्तित्व ही खतरे मे लटकता नजर आ रहा है । यह आत्मबाल की कठिन परीक्षा है , जिन के अंदर अपने संस्कारों की सही छाप है और वे शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन के अंतर को सही रूप से समझ गए है ,वे स्वयं ही सही रास्ते पर चलेंगे । अन्यथा जो लोग आधुनिकता के झूठे जामे मे मांस और शराब पी कर श्रेष्ठता का अनुभव करने लगे है, शायद झूठी निराधार फूक मे धक्के खाते हुए अपना जीवन गुजार देंगे। एक ओर जहा मैंने मदिरा एवं सामिष भोजन को अपने योग्य नहीं पाया है वही दूसरी ओर कभी भी ये मानने को तैयार नहीं हूँ की जो लोग इन का भोग करते है वे अछूत है। हमे तो "सार सार को गहि रहे थोथा देई उड़ाए"पर चलना चाहिए।

लेन देन

हमारे समाज की पुरानी परम्पराओ के अनुसार शायद कोई भी समय या उत्सव एसा नहीं है जिस मे हम एक दूसरे के रिश्तों के अनुसार कुछ न कुछ लेनदेन न करते हो । आज के इस कठिनआर्थिक तनाव के युग मे सत्यता तो यह है की रिश्तों की कीमत चुकाने के चक्कर मे रिश्ते स्वयं ही खतरे मे पड़ते जा रहे है । जो धनवान है वे इस लेनदेन की होड़ मे नए कीर्तिमान स्थापित करते जा रहे है और जो कमजोर है वे इन ऊंचे कीर्तिमानों के बोझ से दब करदम तोड़ते नजर आरहे है।

क्या आज समय की पुकार हमे मजबूर नहीं कर रही है की हम अपने हृदय को सही रूप से टटोले और समय रहते इस लेन देन के बाजार की चमक मे सदैव के लिए सही रास्तों से भटकने से बच जाए । दुनिया मे पेसे का लेन देन तो हर एक से होता है परंतु शुभकामनाए एवं आशीर्वाद केवल अपने खून के रिश्तेदारों से ही मिल सकते है ,इसलिए हमे चाहिए की हम छोटे छोटे लेन देन भी आपस मे भूल कर केवल आशीर्वादों और शुभकामनाओ से अपनी झोली भर कर विश्वास के साथ आगे बढ़ सके।

जो कुछ भी मैंने ऊपर लिखा है उस का अर्थ कदापि यह नहीं है की हम एक बुराई के गड्डर के अलावा कुछ नहीं है। आज भी मुझे कोई संदेह नहीं है की हम औरों के देखते हुए एक शक्तिशाली एवं सुगठित चतुर्वेदी समाज के अंग है और हमे अपने आप पर गर्व है जो सदैव रहेगा।

रामचरितमानस में कलियुग का वर्णन

गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्री रामचरितमानस केवल भक्तिमार्ग के साधकों का भाव ही पुष्ट नहीं करती, वरन उनका अध्यात्मिक, सामाजिक तथा व्यावहरिक जीवन का मार्गदर्शन भी करती है। एक सम्पूर्ण व्यावहारिक जीवन दर्शन को समेटे हुए एक ऐसा ग्रन्थ है जिसने हम संसारी जीवों के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और राजनैतिक जीवन के विभिन्न अंगों के लिए आदर्श स्थापित किया है।

गोस्वामी तुलसीदास जी को रामचरितमानस के लेखन में 2 वर्ष 7 माह 26 दिन का समय लगा था और उन्होंने इसे संवत् 1633 (1576 ईस्वी सन्) के मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष में राम विवाह के दिन पूर्ण किया था। इस महाकाव्य की भाषा अवधी है।

रामचरितमानस के पाँचवे काण्ड उत्तर काण्ड मैं गोस्वामी श्री तुलसीदास जी ने आज से लगभग 450 वर्ष पूर्व कलयुग का वर्णन कुछ इस प्रकार किया है –

सो कलिकाल कठिन उरगारी।
पाप परायन सब नरनारी।

कलियुग का समय बहुत कठिन है।इसमें सब स्त्री पुरूस पाप में लिप्त रहते हैं।

कलिमल ग्रसे धर्म सब लुप्त भये सदग्रंथ
दंभिन्ह निज मति कल्पि करि प्रगट किए बहु पंथ।

कलियुग के पापों ने सभी धर्मों को ग्रस लिया है। धर्म ग्रथों का लोप हो गया है। घमंडियों ने अपनी अपनी बुद्धि में कल्पित रूप से अनेकों पंथ बना लिये हैं।

भए लोग सब मोहबस लोभ ग्रसे सुभ कर्म
सुनु हरिजान ग्यान निधि कहउॅ कछुक कलिधर्म।

सब लोग मोहमाया के अधीन रहते हैं। अच्छे कर्मों को लोभ ने नियंत्रित कर लिया है। भगवान के भक्तों को कलियुग के धर्मों को जानना चाहिये।

बरन धर्म नहिं आश्रम चारी।
श्रुति बिरोध रत सब नर नारी।
द्विज श्रुति बेचक भूप प्रजासन।
कोउ नहिं मान निगम अनुसासन।

कलियुग में वर्णाश्रम का धर्म नही रहता हैं। चारों आश्रम भी नहीं रह जाते। सभी नर नारी बेद के बिरोधी हो जाते हैं। ब्राह्मण वेदों के विक्रेता एवं राजा प्रजा के भक्षक होते हैं। वेद की आज्ञा कोई नही मानता है।

मारग सोइ जा कहुॅ जोइ भावा।
पंडित सोइ जो गाल बजाबा।
मिथ्यारंभ दंभ रत जोईं।
ता कहुॅ संत कहइ सब कोई।

जिसे जो मन को अच्छा लगता है वही अच्छा रास्ता कहता है। जो अच्छा डींग मारता है वही पंडित कहा जाता है। जो आडंबर और घमंड में रहता है उसी को लोग संत कहते हैं।

सोइ सयान जो परधन हारी।
जो कर दंभ सो बड़ आचारी।
जो कह झूॅठ मसखरी जाना।
कलिजुग सोइ गुनवंत बखाना।

जो दूसरों का धन छीनता है वही होशियार कहा जाता है। घमंडी अहंकारी को ही लोग अच्छे आचरण बले मानते हैं। बहुत झूठ बोलने बाले को हीं–हॅसी दिलग्गी करने बाले को हीं गुणी आदमी समझा जाता है।

निराचार जो श्रुतिपथ त्यागी।
कलिजुग सोइ ग्यानी सो विरागी
जाकें नख अरू जटा बिसाला ।
सोइ तापस प्रसिद्ध कलिकाला।

हीन आचरण करने बाले जो बेदों की बातें त्याग चुके हैं वही कलियुग में ज्ञानी और वैरागी माने जाते हैं। जिनके नाखून और जटायें लम्बी हैं–वे कलियुग में प्रसिद्ध तपस्वी हैं।

असुभ वेस भूसन धरें भच्छाभच्छ जे खाहिं
तेइ जोगी तेइ सिद्ध नर पूज्य ते कलिजुग माहिं।

जो अशुभ वेशभूसा धारण करके खाद्य अखाद्य सब खाते हैं वे हीं सिद्ध योगी तथा कलियुग में पूज्य माने जाते हैं।

जे अपकारी चार तिन्ह कर गौरव मान्य
तेइ मन क्रम वचन लवार तेइ वकता कलिकाल महुॅ।

जो अपने कर्मों से दूसरों का अहित करते हैं उन्हीं का गौरव होता है और वे हीं इज्जत पाते हैं। जो मन वचन एवं कर्म से केवल झूठ बकते रहते हैं वे हीं कलियुग में वक्ता माने जाते हैं।

नारि बिबस नर सकल गोसाई।
नाचहिं नट मर्कट कि नाई।
सुद्र द्विजन्ह उपदेसहिं ग्याना।
मेलि जनेउ लेहिं कुदाना।

सभी आदमी स्त्रियों के वश में रहते हैं और बाजीगर के बन्दर की तरह नाचते रहते हैं। ब्राह्मणों को शूद्र ज्ञान का उपदेश देते हैं और गर्दन में जनेउ पहन कर गलत तरीके से दान लेते हैं।

सब नर काम लोभ रत क्रोधी।
देव विप्र श्रुति संत विरोधी।
गुन मंदिर सुंदर पति त्यागी।
भजहिं नारि पर पुरूस अभागी।

सभी नर कामी लोभी और क्रोधी रहते हैं।देवता ब्राहमण वेद और संत के विरोधी होते हैं। अभागी औरतें अपने गुणी सुंदर पति को त्यागकर दूसरे पुरूष का सेवन करती है।

सौभागिनीं विभूसन हीना।
विधवन्ह के सिंगार नवीना।
गुर सिस बधिर अंध का लेखा।
एक न सुनइ एक नहि देखा।

सुहागिन स्त्रियों के गहने नहीं रहते पर विधबायें रोज नये श्रृंगार करती हैं। चेला और गुरू में वहरा और अंधा का संबंध रहता है। शिष्य गुरू के उपदेश को नहीं सुनता और गुरू को ज्ञान की दृष्टि प्राप्त नहीं रहती है।

हरइ शिष्य धन सोक न हरई।
ते गुर घोर नरक महुँ परई
मातु पिता बालकन्हि बोलाबहिं।
उदर भरै सोइ धर्म सिखावहिं।

जो गुरू अपने चेला का धन हरण करता है लेकिन उसके दुख शोक का नाश नही करता–वह घोर नरक में जाता है। मॉ बाप बच्चों को मात्र पेट भरने की शिक्षा धर्म सिखलाते हैं।

ब्रह्म ग्यान बिनु नारि नर कहहिं न दूसरि बात
कौड़ी लागि लोभ बस करहिं विप्र गुर घात।

स्त्री पुरूस ब्रह्म ज्ञान के अलावे अन्य बात नही करते लेकिन लोभ में कौड़ियों के लिये ब्राम्हण और गुरू की हत्या कर देते हैं।

बादहिं सुद्र द्विजन्ह सन हम तुम्ह ते कछु घाटि
जानइ ब्रम्ह सो विप्रवर आंखि देखावहिं डाटि।

शूद्र ब्राम्हणों से अनर्गल बहस करते हैं।वे अपने को उनसे कम नही मानते। जो ब्रम्ह को जानता है वही उच्च ब्राम्हण है ऐसा कहकर वे ब्राम्हणों को डॉटते हैं।

पर त्रिय लंपट कपट सयाने।
मोह द्रोह ममता लपटाने।
तेइ अभेदवादी ग्यानी नर।
देखा मैं चरित्र कलिजुग कर।

जो अन्य स्त्रियों में आसक्त छल कपट में चतुर मोह द्रोह ममता में लिप्त होते हैं वे हीं अभेदवादी ज्ञान कहे जाते हैं।कलियुग का यही चरित्र देखने में आता है।

आपु गए अरू तिन्हहु धालहिं।
जे कहुँ सत मारग प्रतिपालहिं।
कल्प कल्प भरि एक एक नरका।
परहिं जे दूसहिं श्रुति करि तरका।

वे खुद तो बर्बाद रहते हैं और जो सन्मार्ग का पालन करते हैं उन्हें भी बर्बाद करने का प्रयास करते हैं। वे तर्क में वेद की निंदा करते हैं और अनेकों जीवन तक नरक में पड़े रहते हैं।

जे बरनाधम तेलि कुम्हारा।
स्वपच किरात कोल कलवारा।
नारि मुई गृह संपति नासी।
मूड़ मुड़ाई होहिं संन्यासी।

तेली कुम्हार चाण्डाल भील कोल एवं कलवार जो नीच वर्ण के हैं स्त्री के मृत्यु पर या घर की सम्पत्ति नष्ट हो जाने पर सिर मुड़वाकर सन्यासी बन जाते हैं।

ते विप्रन्ह सन आपु पुजावहि।
उभय लोक निज हाथ नसावहिं।
विप्र निरच्छर लोलुप कामी।
निराचार सठ बृसली स्वामी।

वे स्वयं को ब्राम्हण से पुजवाते हैं और अपने हीं

हाथों अपने सभी लोकों को बर्बाद करते हैं। ब्राम्हण अनपटघ लोभी कामी आचरणहीन मूर्ख एवं नीची जाति की ब्यभिचारिणी स्त्रियों के स्वामी होते हैं।

सुद्र करहिं जप तप ब्रत नाना।
बैठि बरासन कहहिं पुराना।
सब नर कल्पित करहिं अचारा।
जाइ न बरनि अनीति अपारा।

शूद्र अनेक प्रकार के जप तप व्रत करते हैं और उॅचे आसन पर बैठकरपुराण कहते हैं।सबलोग मनमाना आचरण करते हैं। अनन्त अन्याय का वर्णन नही किया जा सकता है।

भए वरन संकर कलि भिन्न सेतु सब लोग
करहिं पाप पावहिं दुख भय रूज सोक वियोग।

इस युग में सभी लोग वर्णशंकर एवं अपने धर्म विवेक से च्युत होकर अनेकानेक पाप करते हैं तथा दुख भय शोक और वियोग का दुख पाते हैं।

बहु दाम सवॉरहि धाम जती।
बिशया हरि लीन्हि न रही बिरती।
तपसी धनवंत दरिद्र गृही।
कलि कौतुक तात न जात कही।

सन्यायी अपने घर को बहुत पैसा लगाकर सजाते हैं कारण उनमें वैराग्य नहीं रह गया है।उन्हें सांसारिक भोगों ने घेर लिया है। अब गृहस्थ दरिद्र और तपस्वी धनबान बन गये हैं।कलियुग की लीला अकथनीय है।

कुलवंति निकारहिं नारि सती।
गृह आनहि चौरि निवेरि गती।
सुत मानहि मातु पिता तब लौं।
अबलानन दीख नहीं जब लौं।

वंश की लाज रखने बाले सती स्त्री को लोग घर से बाहर कर देते हैं और किसी कुलटा दासी को घर में रख लेते हैं। पुत्र माता पिता को तभी तक सम्मान देते हैं जब तक उन्हें विवाहोपरान्त अपने स्त्री का मुॅह नहीं दिख जाता है।

ससुरारि पिआरि लगी जब तें।
रिपु रूप कुटुंब भये तब तें।
नृप पाप परायन धर्म नही।
करि दंड बिडंब प्रजा नित हीं।

ससुराल प्यारी लगने लगती है और सभी पारिवारिक संबंधी शत्रु रूप हो जाते हैं। राजा पापी हो जाते हैं एवं प्रजा को अकारण हीं दण्ड देकर उन्हें प्रतारित किया करते हैं।

धनवंत कुलीन मलीन अपी।
द्विज चिन्ह जनेउ उघार तपी।
नहि मान पुरान न बेदहिं जो।
हरि सेवक संत सही कलि सो।

नीच जाति के धनी भी कुलीन माने जाते हैं। ब्राम्हण का पहचान केवल जनेउ रह गया है। नंगे बदन का रहना तपस्वी की पहचान हो गई है। जो वेद पुराण को नही मानते वे हीं इस समय भगवान के भक्त और सच्चे संत कहे जाते हैं।

कवि बृंद उदार दुनी न सुनी।
गुन दूसक ब्रात न कोपि गुनी।
कलि बारहिं बार दुकाल परै।
बिनु अन्न दुखी सब लोग मरै।

कवि तो झुंड के झुंड हो जायेंगें पर संसार में उनके गुण का आदर करने बाला नहीं होगा। गुणी में दोष लगाने बाले भी अनेक होंगें।कलियुग में अकाल भी अक्सर पड़ते हैं और अन्न पानी बिना लोग दुखी होकर खूब मरते हैं।

सुनु खगेस कलि कपट हठ दंभ द्वेश पाखंड
मान मोह भारादि मद ब्यापि रहे ब्रम्हंड।

कलियुग में छल कपट हठ अभिमान पाखंड काम क्रोध लोभ और घमंड पूरे संसार में ब्याप्त हो जाते हैं।तामस धर्म करहिं नर जप तप ब्रत भख दान देव न बरखहिं धरनी बए न जामहिं धान। आदमी जप तपस्या ब्रत यज्ञ दान के धर्म तामसी भाव से करेंगें। देवता पृथ्वी पर जल नही बरसाते हैं और बोया हुआ धान अन्नभी नहीं उगता है।

अबला कच भूसन भूरि छुधा।
धनहीन दुखी ममता बहुधा।
सुख चाहहिं मूढ़ न धर्म रता।
मति थोरि कठोरि न कोमलता।

स्त्रियों के बाल ही उनके आभूसन होते हैं। उन्हें भूख बहुत लगती है। वे धनहीन एवं अनेकों तरह की ममता रहने के कारण दुखी रहती है। वे मूर्ख हैं पर सुख चाहती हैं। धर्म में उनका तनिक भी प्रेम नहीं है। बुद्धि की कमी एवं कठोरता रहती है–कोमलता नहीं रहती है।

नर पीड़ित रोग न भोग कहीं।
अभिमान विरोध अकारनहीं।
लघु जीवन संबतु पंच दसा।
कलपांत न नास गुमानु असा।

लोग अनेक बिमारियों से ग्रसित बिना कारण घमंड एवं विरोध करने बाले अल्प आयु किंतु घमंड ऐसा कि वे अनेक कल्पों तक उनका नाश नही होगा।ऐसा कलियुग का प्रभाव होगा।

कलिकाल बिहाल किए मनुजा।
नहिं मानत क्वौ अनुजा तनुजा।
नहि तोश विचार न शीतलता।
सब जाति कुजाति भए मगता।

कलियुग ने लोगों को बेहाल कर दिया है।लोग अपने बहन बेटियों का भी ध्यान नही रखते। मनुश्यों में संतोष विवेक और शीतलता नही रह गई है। जाति कुजाति सब भूलकर लोग भीख मॉगने बाले हो गये हैं।

इरिशा पुरूशाच्छर लोलुपता।
भरि पुरि रही समता बिगता।
सब लोग वियोग विसोक हए।
बरनाश्रम धर्म अचार गए।

ईर्श्या कठोर वचन और लालच बहुत बढ़ गये हैं और समता का विचार समाप्त हो गया है।लोग विछोह और दुख से ब्याकुल हैं। वर्णाश्रम का आचरण नश्ट हो गया है।

दम दान दया नहि जानपनी।
जड़ता परवंचनताति घनी।
तनु पोशक नारि नरा सगरे।
पर निंदक जे जग मो बगरे।

इन्द्रियों का दमन दान दया एवं समझ किसी में नही रह गयी है। मूर्खता एवं लोगों को ठगना बहुत बढ़ गया है। सभी नर नारी केवल अपने शरीर के भरण पोशन में लगे रहते हैं। दूसरों की निंदा करने बाले संसार में फैल गये हैं।

प्रगट चारि पद धर्म के कलि महुँ एक प्रधान
जेन केन बिधि दीन्हें दान करइ कल्यान।

धर्म के चार चरण सत्य दया तप और दान हैं जिनमें कलियुग में एक दान हीं प्रधान है। दान जैसे भी दिया जाये वह कल्याण हीं करता है।

प्रस्तुति– निशीथ चतुर्वेदी, डबरा (म0प्र0)

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद विवाह सम्बन्ध व सम्बंध विच्छेद समस्या निराकरण समिति

बंधुओ , पालागन जय श्री कृष्णा श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के अंर्तगत दो समस्या नजर आती है। जो किसी से छिपी नही है।

1. सुयोग्य बर, बधु की तलाश?
2. विवाह होने के बाद सम्बंध विच्छेद की घटनाएं?

महापरिषद समाज की एकजुटता बनाए रखने व उचित समाधान की दिशा में दोनों पक्षों में सामंजस्य स्थापित करने की पूर्ण विश्वास के साथ कोशिश करेगा।

इस उद्देश्य से समाज के अनुभवी लोगों की एक समिति अधिकृत की जाती है। जो निम्न प्रकार होगी।

1. श्री सुख देव चतुर्वेदी डबरा
2. श्री जय प्रकाश चौबे जलगांव
3. श्रीमति विरज बाला चतुर्वेदी एडवोकेट मथुरा।
4. श्री राम स्वरूप चतुर्वेदी करौली
5. श्री रंगेश्वर चतुर्वेदी बड़ौदा।

उक्त समिति महापरिषद के निर्देशन में समाज हित के लिऐ कार्य करेंगी और अपनी प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराती रहेगी। अन्य प्रदेशों के इस क्षेत्र में कार्यरत अनुभवी बंधुओ व बहिनों को भी समिति का विस्तार कर जोड़ा जा सकेगा।

महापरिषद के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों चाहे वो राष्ट्रीय हो प्रदेश के या जिलों के हों उक्त समिति को आवश्यकता अनुसार पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। समिति के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नीरज चतुर्वेदी
सभापति
श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

बेटी की गृहस्थी में कितना दखल देना चाहिए, यह समझना चाहिए

माँ यदि समय रहते तूने मुझे समझाया होता तो आज मुझे तेरे साथ रहते हुए भी सबसे अलग–थलग अकेले रहने की नौबत ना आती। माँ होने के नाते तुझे मेरी चिंता होना स्वभाविक हैं किंतु इस कारण हर दूसरे दिन मुझे मायके आने के लिए कहना कहाँ तक ठीक था?

माँ तूने कभी भी हमारे झगड़े विवाद हल करने का प्रयत्न नही किया। मैं जब भी तुझे फोन पर हमारे आपसी घरेलू विवाद बताती थी तो तुम मेरे पति को डांटती फटकारती और अपनी बेटी को हमेशा के लिए मायके ले जाने की धमकी देती, और अंत मे तूने वही किया। दस वर्ष हो गए मुझे आज भी उस बात की टीस हो रही है, क्योंकि हर कोई अपने–अपने जीवन मे सुखी हैं मस्त है। तुम दोनों मम्मी–पापा अपने पोता–पोती बहुओं के साथ खुश हो। भैय्या भाभी की गृहस्थी भी मजे में चल रही हैं। किंतु मै तुम्हारे घर मे एक आश्रित बेचारी जैसी रह रही हूँ ऐसा मुझे लगता है। यह सब कुछ कहते समय बेटी की आंख के आँसू रुक नही रहे थे।

'हमारी बेटी हम पर भारी नही हैं बोझ नही है' बेटी के विवाह के बाद कई माता–पिता के मुंह से यह वाक्य सुनने को मिलता है। किंतु ससुराल में बेटी को तकलीफ दी जा रही है, ससुराल के लोग या उसका पति लगातार उसे टार्चर कर रहे हैं ऐसा मानकर तड़काफड़की निर्णय लेना गलत है इससे बचना चाहिए। जैसे ताली एक हाथ से नहीं बजती वैसे ही बेटी का भी कुछ ना कुछ तो दोष हो सकता है। यह अच्छी तरह जान लो समझ लो। ससुराल वाले यदि शारीरिक कष्ट पहुंचा रहे हों तो और समझदारी पूर्ण चर्चा के बाद भी शारीरिक और मानसिक तकलीफ दी जा रही हो और दोनों पक्षों की आपसी चर्चा के बाद भी हल ना निकले तो ही अंतिम पर्याय के रूप में संबन्ध तोड़ने के बारे में विचार किया जा सकता है। किंतु छोटी छोटी बात पर पति–पत्नी की गृहस्थी तोड़ना बिल्कुल ठीक नही।

बेटी के माता–पिता के बीच भी अपनी गृहस्थी चलाते समय विवाद निश्चित ही हुए होंगे। इसलिए पति–पत्नी के बीच के विवाद झगड़े उन्हें आपस मे सुलझाने का अवसर दो। तुरंत उनके झगड़ों को निपटाने मत जाओ।

विवाह तय होने के पहले से ही बेटी को यह कहा जाता है कि ससुराल के लोग बहुत बुरे–दुष्ट होते हैं, सास ललिता पवार होती हैं, पति को अपनी मुट्ठी में ही रखना चाहिए इत्यादि। इसलिए बेटी ससुराल जाते समय दिमाग मे एक दुराग्रह लेकर ससुराल में कदम रखती हैं। सास कितनी भी अच्छी हो तो भी आपकी बेटी सास के साथ अपनत्व का व्यवहार नही करती, सौहाद्र पूर्ण व्यवहार नही करती। पति को अपने इशारों पर नचाना प्रारंभ कर देती हैं। यदि पति ऐसा नहीं करता तो फिर वाद विवाद होने लगते हैं। तब तुम बेटी के माता–पिता होने के नाते उस क्रोध ा और विवाद की आग को पानी डालकर बुझाने की जगह फूंक मारकर आग में घी डालकर भड़काने का काम कर रहे हो। यह तुम्हे पता भी नहीं चलता इसके विपरीत हमेशा के लिए अपना घर छोड़कर मायके आने की सलाह दे देते हो।

इसमें तुम्हारी बेटी की पूरी जिंदगी दांव पर लगी होती हैं इसका ज्ञान उस समय नही होता। बेटी को भी उस समय माता–पिता का निर्णय योग्य लगता हैं, क्योंकि उस समय बेटी एक मानसिक तनाव में गुजर रही होती हैं।

कभी जंवाई माफी मांगने आया तो भी उसे माफ नही किया जाता। 'मैं पत्नी को लेने आया हूँ उसे मेरे साथ अपने घर भेजो'। जंवाई के ऐसा कहने पर उसके सामने कई प्रकार की शर्तें रखी जाती हैं ऐसा होने पर जंवाई अपमानित होकर सोचने लगता है कि रिश्ते को बचाने के लिए मैं अकेला ही क्यों कोशिश करूँ। जंवाई अपमानित हो जाता है और मुद्दा अधिक गंभीर होकर अब जंवाई का अहंकार भी जाग उठता हैं। अब वो भी रिश्ता तोड़ने की दिशा में सोचने लगता है।

सम्बन्ध विच्छेद होने पर कुछ पुरुष दूसरा विवाह कर नई शुरुवात कर देते हैं, जो लड़कियां माँ के यहां जाकर रहने लगती हैं उन्हें कुछ दिनों बाद अकेलापन काटने दौड़ता हैं। जिस माँ ने सहारा देकर बेटी को अपने घर लाया था उसी बेटी के साथ माँ – भाभी की झंझट विवाद होना शुरू होता है तो अब लड़की को अपनी गलती का अहसास होने लगता है।

माता पिता ने बेटी की गृहस्थी तोड़ने की नही जोड़ने की कोशिश करनी चाहिए। एक बार बेटी ससुराल गई तो बिना कारण उसके कान नहीं भरने चाहिए। बार–बार फोन पर बेटी से बात करने से बचना चाहिए। बेटी यदि पति की या ससुराल की कोई छोटी–मोटी शिकायत करने लगे तो उसे कहना चाहिए कि छोटी सी बात है। आपस में बात करके मुद्दा सुलझा लो ऐसी सलाह देनी चाहिए। यदि झगड़ा या विवाद बहुत बड़ा हो और जो आपस मे सुलझ ही न रहा हो तब ही सुलह की कोशिश करनी चाहिए। तुम्हारे अहंकार की वजह से बेटी का जीवन बर्बाद ना करो। बेटी का लाड़ करो चार दिन उसकी हर संभव जिद पूरी करो उसे खुशी दो किंतु उसकी गृहस्थी में अनावश्यक दखल मत दो।

लेखक एवं प्रस्तुतकर्ता
ज्ञान चतुर्वेदी प्रदेश अध्यक्ष छत्तीगढ़

विवाह में सात फेरे ही क्यों लेते हैं?

आखिर हिन्दू विवाह के समय अग्नि के समक्ष सात फेरे ही क्यों लेते हैं? दूसरा यह कि क्या फेरे लेना जरूरी है?

पाणिग्रहण का अर्थ – पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से श्विवाहश के नाम से जाना जाता है। वर द्वारा नियम और वचन स्वीकारोक्ति के बाद कन्या अपना हाथ वर के हाथ में सौंपे और वर अपना हाथ कन्या के हाथ में सौंप दे। इस प्रकार दोनों एक–दूसरे का पाणिग्रहण करते हैं। कालांतर में इस रस्म को श्कन्यादानश कहा जाने लगा, जो कि अनुचित है।

नीचे लिखे मंत्र के साथ कन्या अपना हाथ वर की ओर बढ़ाए, वर उसे अंगूठा सहित (समग्र रूप से) पकड़ ले। भावना करें कि दिव्य वातावरण में परस्पर मित्रता के भाव सहित एक–दूसरे के उत्तरदायित्व को स्वीकार कर रहे हैं।

ऊँ यदैषि मनसा दूरं, दिशोऽ नुपवमानो वा।

हिरण्यपणो र वै कर्ण, स त्वा मन्मनसां करोतु असौ।। –पार.गृ.सू. 1.4.15

विवाह का अर्थ– विवाह को शादी या मैरिज कहना गलत है। विवाह का कोई समानार्थी शब्द नहीं है। विवाह= विवाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है– विशेष रूप से (उत्तरदायित्व का) वहन करना।

विवाह एक संस्कार– अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे कि विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है, लेकिन हिन्दू धर्म में विवाह बहुत ही भली–भांति सोच– समझकर किए जाने वाला संस्कार है। इस संस्कार में वर और वधू सहित सभी पक्षों की सहमति लिए जाने की प्रथा है। हिन्दू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संबंध से अधिक आत्मिक संबंध होता है और इस संबंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

सात फेरे या सप्तपदी– हिन्दू धर्म में 16 संस्कारों को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। विवाह में जब तक 7 फेरे नहीं हो जाते, तब तक विवाह संस्कार पूर्ण नहीं माना जाता। न एक फेरा कम, न एक ज्यादा। इसी प्रक्रिया में दोनों 7 फेरे लेते हैं जिसे श्सप्तपदीश भी कहा जाता है। ये सातों फेरे या पद 7 वचन के साथ लिए जाते हैं। हर फेरे का एक वचन होता है जिसे पति–पत्नी जीवनभर साथ निभाने का वादा करते हैं। ये 7 फेरे ही हिन्दू विवाह की स्थिरता का मुख्य स्तंभ होते हैं। अग्नि के 7 फेरे लेकर और ध्रुव तारे को साक्षी मानकर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं।

सात अंक का महत्व–

ध्यान देने योग्य बात है कि भारतीय संस्कृति में 7 की संख्या मानव जीवन के लिए बहुत विशिष्ट मानी गई है। संगीत के 7 सुर, इंद्रधनुष के 7 रंग, 7 ग्रह, 7 तल, 7 समुद्र, 7 ऋषि, सप्त लोक, 7 चक्र, सूर्य के 7 घोड़े, सप्त रश्मि, सप्त धातु, सप्त पुरी, 7 तारे, सप्त द्वीप, 7 दिन, मंदिर या मूर्ति की 7 परिक्रमा, आदि का उल्लेख किया जाता रहा है।

उसी तरह जीवन की 7 क्रियाएं अर्थात– शौच, दंत धावन, स्नान, ध्यान, भोजन, वार्ता और शयन। 7 तरह के अभिवादन अर्थात– माता, पिता, गुरु, ईश्वर, सूर्य, अग्नि और अतिथि। सुबह सवेरे 7 पदार्थों के दर्शन– गोरोचन, चंदन, स्वर्ण, शंख, मृदंग, दर्पण और मणि। 7 आंतरिक अशुद्धियां– ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध, लोभ, मोह, घृणा और कुविचार। उक्त अशुद्धियों को हटाने से मिलते हैं ये 7 विशिष्ट लाभ– जीवन में सुख, शांति, भय का नाश, विष से रक्षा, ज्ञान, बल और विवेक की वृद्धि।

स्नान के 7 प्रकार– मंत्र स्नान, मौन स्नान, अग्नि स्नान, वायव्य स्नान, दिव्य स्नान, मसग स्नान और मानसिक स्नान। शरीर में 7 धातुएं हैं– रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मजा और शुक्र। 7 गुण– विश्वास, आशा, दान, निग्रह, धैर्य, न्याय, त्याग। 7 पाप– अभिमान, लोभ, क्रोध, वासना, ईर्ष्या, आलस्य, अति भोजन और 7 उपहार– आत्मा के विवेक, प्रज्ञा, भक्ति, ज्ञान, शक्ति, ईश्वर का भय।

यही सभी ध्यान रखते हुए अग्नि के 7 फेरे लेने का प्रचलन भी है जिसे सप्तपदी कहा गया है। वैदिक और पौराणिक मान्यता में भी 7 अंक को पूर्ण माना गया है। कहते हैं कि पहले 4 फेरों का प्रचलन था। मान्यता अनुसार ये जीवन के 4 पड़ाव– धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीक था। हमारे शरीर में ऊर्जा के 7 केंद्र हैं जिन्हें 'चक्र' कहा जाता है। ये 7 चक्र हैं– मूलाधार (शरीर के प्रारंभिक बिंदु पर), स्वाधिष्ठान (गुदास्थान से कुछ ऊपर), मणिपुर (नाभि केंद्र), अनाहत (हृदय), विशुद्ध (कंठ), आज्ञा (ललाट, दोनों नेत्रों के मध्य में) और सहस्रार (शीर्ष भाग में जहां शिखा केंद्र) है। उक्त 7 चक्रों से जुड़े हैं हमारे 7 शरीर। ये 7 शरीर हैं– स्थूल शरीर, सूक्ष्म शरीर, कारण शरीर, मानस शरीर, आत्मिक शरीर, दिव्य शरीर और ब्रह्म शरीर। **।।जय श्री कृष्णा।।**

संकलनकर्ता– बृजमोहन चतुर्वेदी राष्ट्रीय संरक्षक मुम्बई

कहानी- कोई अपना सा

रोज की तरह सुबह होते ही एक प्याला चाय ले कर रीमा अशोक के साथ बालकनी में बैठकर चाय का आनंद ले रही थी, सामने वाली बिल्डिंग मे एक नव विवाहित जोड़ा रोज सुबह बिल्डिंग छत पर टहलता नजर आता और रीमा अशोक से कहती कि जरुर इनके घर में जल्द ही कोई मेहमान आने वाला है। इसीलिए प्रातः और शाम को यह लोग टहलते नजर आते हैं, बहुत अपने से लगते हैं रोज–रोज अशोक रीमा की यही बात सुनते और उनसे कहते तुम तो बस हर जगह तुम्हें कोई ना कोई अपना सा लगता ही रहता है जिसकी तुम फिकर करने लग जाती हो इस पर रीमा बोली ,देखते नहीं तुम दोनों कितना धीरे–धीरे साथ साथ चलते हैं। मुझे तो बहुत फिक्र होती है इन दोनों की, लॉकडाउन हो चुका है और इस दौरान कुछ हो गया तो यह दोनों कैसे मैनेज करेंगे। सुनते ही अशोक फिर बोले फालतू की बातें मत सोचा करो, अरे दोनों सक्षम है, कुछ ना कुछ सोच ही लिया होगा। पर इस लॉक डाउन में कौन आएगा इनका यही सोच सोच कर मेरा दिमाग खराब हो रखा है रीमा बोल पडी. अशोक बोले देखो सुबह का समय है, समय ना बर्बाद करो और चाय पियो। रीमा ने ठंडी सांस ली और फिर सामने वाली बिल्डिंग में उन दोनों को देखने लगी। वे भी रीमा को चोरी चोरी निहारते पर जैसे कुछ कहना चाहते पर कह नहीं पाते। सुबह शाम का यह सिलसिला चलता ही जा रहा था साथ ही रीमा की घबराहट भी बढ़ती जा रही थी। सुबह शाम तो चाय के बहाने से आती और दोपहर भर कभी कपड़े उठाने कपड़े कपड़े सुखाने कभी कुछ साफ सफाई के बहाने बालकनी के चक्कर लगाया करती। उसका मन होता कि आवाज लगा के पूछे कि कब नन्हा मेहमान आने वाला है पर कुछ संकोच के कारण ना बोल पाती। वे लोग भी रीमा की बेचौनी को भाप चुके थे। एकदम रीमा को विचार आया और उसने एक बड़े कागज पर अपना मोबाइल नंबर लिखकर चिपका दिया शायद कभी जरूरत पड़े तो यह मुझे फोन कर लेंगे। जिस दिन रीमा ने मोबाइल नंबर चिपकाया उसी शाम को अचानक एक मिस कॉल आई रीमा ने फोन उठा लिया 'हेलो कौन है' रीमा के कहते हैं फोन कट गया। अब रीमा का नंबर था उसने फोन मिला दिया और पूछा। कौन बोल रहे हैं 'उधर से आवाज आई आंटी मैं बोल रही हूं आपके सामने वाली बिल्डिंग से जिसको आप रोज सुबह शाम देखा करती हैं। रीमा मुंह से खुशी से निकला 'अच्छा–अच्छा कैसी हो बेटा,त ुम बड़ी चिंता हो रही थी। मुझे तुम्हें देखकर यह लग रहा था कि कैसे तुमसे बात करूं, जब कभी भी जरूरत हो तो मुझसे बात कर लेना और कुछ काम हो तो भी बताना। नाम तो बता दो बेटी अपना, उधर से आवाज आई आंटी मेरा नाम मीना है, चलिए अब हम लोग व्हाट्सएप पर बात किया करेंगे। थैंक्यू आंटी आपने अपना नंबर दिया। यह कहते हुए मीना ने फोन काट दिया फोन रखते ही रीमा सोचने लगी, अगर आजकल में ही कुछ होने वाला होगा तो उसके लिए थोड़ी तैयार तो रखनी पड़ेगी उसने एक छोटा सा बैग तैयार कर लिया जिसमें जरूरत का सारा सामान था, अब तो बस उसे इसी पल का इंतजार रहता कि कब मीना का फोन आये और उससे बातें करें। अब सुबह शाम चाय पीते समय हाथ भी हिलाने लगे थे वे लोग। एक दिन रात में जब खा पीकर रीमा बिस्तर पर आई तो अचानक फोन की घंटी बज गई और उधर से मीना के पति का फोन था वह बोला– आंटी क्या कर रही हैं आप 'रीमा ने पूछा' क्यों बेटा क्या हुआ। आंटी जल्दी आईये, अस्पताल चलना पड़ेगा। रीमा घबराई सी उठ बैठी, सुनो वो सामने वाली मीना है ना जो रोज सुबह शाम टहलते हुए दिखाई देती थी। उसके पति का फोन था, हॉस्पीटल जाना है। कहते–कहते रीमा अशोक का मुंह देखने लगी। ये क्या कह रही हो किसके साथ जाना है होस्पिटल वो भी कोरोना में और इतनी देर रात में। रास्ते मे पुलिस पकड़ेगी तब पता चलेगा। अशोक बोल पड़ा वो सामने वाली बिल्डिंग मे रहने वाली मीना की तबीयत खराब हो रही हैं उसे अभी होस्पिटल जाना है उसका पति सौरभ आ रहा है मुझे लेने और इमर्जेन्सी में तो जाना मना नही है। तुम भी साथ चलते तो, कहते–कहते रीमा तैयार होने लगी। तुम नहीं सुधरोगी कहते हुए अशोक भी जल्दी से तैयार होने लगा तब तक सौरभ का फिर फोन आ गया। आँटी जल्दी नीचे आइये. हाँ हाँ आ रही हूँ। तुम्हारे अंकल भी आ रहे है कहते हुए रीमा और अशोक तेजी से घर बन्द कर लिफ्ट मे घुस गये। नीचे पहुंच कर रीमा और अशोक जल्दी से गाड़ी मे बैठ गये रास्ते मे पुलिस ने गाडी रोकी तो अशोक ने अपना ओफिस का कार्ड दिखा कर गाडी बढ़ा दी और जल्दी ही सब होस्पिटल

पहुंच गये वहां पहुच कर सौरभ जब तक सारी औपचारिकता पूरी कर रहा था तब तक रीमा मीना के साथ अन्दर चली गयी। थोड़े ही देर मे नर्स ने आकर बधाई दी लीजिये अपने पोते को, आप दादी बन गयी। कहते हुए उसने एक नवजात शिशु को रीमा की गोद में डाल दिया जिसे देखते ही रीमा की आँखो मे आँसू आ गए और रीमा ने उसे अपने सीने से लगा लिया। तब तक सौरभ और अशोक भी आ गए। ये लो तुम्हारे पापा आ गये कहते हुये रीमा ने सौरभ की गोद में उस बच्चे को दे दिया और अशोक की ओर देख कर बोली 'दादा जी बन गए हो सिस्टर को कुछ दोगे नहीं' हाँ हाँ क्यों नही सिस्टर ही नही पूरे हॉस्पीटल को दूँगा, दादा जो बन गया हूँ कहते हुए अशोक की आंख भी छ्लछला उठी और सौरभ झुक कर रीमा और अशोक के पैरो पर बैठ गया। ये देख कर मीना की आंख भी भर आयी जो स्ट्रेचर मे लेटी हुई बाहर आते हुए ये नजारा देख रही थी।

अनुराग चतुर्वेदी, चंडीगढ़

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के दो दिवसीय प्रान्तीय अधिवेशन में समाज की एकजुटता के साथ शिक्षा पर दिया जोर

करौली। माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का दो दिवसीय प्रान्तीय महाअधिवेशन यहां कैलादेवी मार्ग स्थित एकट बोधग्राम संस्था के परिसर में आयोजित हुआ। महाधिवेशन के समापन पर रविवार को समाज के वरिष्ठ नागरिक, उत्कृष्ट अंक पाने वाले छात्र–छात्राओं, खेल और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान समाज को एकजुट करने, समाज की समस्याओं, समाज के लोगों का डाटा एकत्रित करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

महापरिषद की करौली जिला कार्यकारिणी के तत्वावधान में हुये महाधिवेशन की अध्यक्षता माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के प्रदेश अध्यक्ष ह्रदेश चतुर्वेदी ने की। जिला अध्यक्ष कैप्टन परमानंद चतुर्वेदी ने बताया कि महाधिवेशन में समाज की 60 प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किया गया। इसमें बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र एवं राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं शामिल रहीं।

साथ ही समाज के वरिष्ठ जनों को भी सम्मानित किया गया। अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष ह्रदय चतुर्वेदी ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत एवं लगन से विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। वे बोले के समाज को आगे लाने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, जिसमें सभी को मिलकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। राष्ट्रीय संरक्षक सुखदेव चतुर्वेदी ने कहा कि समाज को एक माला में पिरोकर संगठित रहने की जरूरत है। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय जनगणना प्रभारी सीपी चतुर्वेदी मुम्बई ने जानकारी दी कि समाज की जनगणना कर संख्यात्मक आंकड़े जुटाए जा रहे हैं, जिसमें सभी के सहयोग की जरूरत है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामस्वरूप चतुर्वेदी करौली ने पदाधिकारियों का स्वागत किया। सायपुर निवासी चतुर्भुज चतुर्वेदी ने बच्चों के लिये छात्रावास की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस मौके पर प्रदेश मंत्री राजेश चतुर्वेदी, पूर्व सरपंच धर्मचंद चतुर्वेदी, जिला मंत्री रतन चतुर्वेदी, जिला संगठन मंत्री सुमित चतुर्वेदी एवं प्रदेश मंत्री राजकुमार चतुर्वेदी ने भी सम्बोधित किया। पंडित हरस्वरूप चतुर्वेदी ने चतुर्वेदी गौरव गान कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मंच संचालन नरेन्द्र चतुर्वेदी ने किया। एकट बोध ग्राम संस्था के समन्वयक व कार्यक्रम के संयोजक सत्येन चतुर्वेदी ने अतिथियों और पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में वरुण चतुर्वेदी रघुवंशी, उमेश पहलवान, महेश चतुर्वेदी, रामदास चतुर्वेदी, बनवारी, घनश्याम सरपंच, रामरज चतुर्वेदी, नत्थी लाल नेताजी, सूबेदार टीकम चतुर्वेदी, देवेन्द्र चतुर्वेदी, रामरूप चतुर्वेदी, कल्याण प्रसाद चतुर्वेदी, विष्णु उपसरपंच, सुरेश प्रदेश उपाध्यक्ष, देवेन्द्र प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, बालकृष्ण चतुर्वेदी, हंसराज चतुर्वेदी रतनपुर, मीडिया प्रभारी मनमोहन चतुर्वेदी, पूरण प्रताप चतुर्वेदी करौली, गोपाल चतुर्वेदी, सोहन लाल चतुर्वेदी भरतपुर, लोकेश चतुर्वेदी, अरविन्द चतुर्वेदी, सीएस राघव चतुर्वेदी करौली, महिला मंडल की सपना चतुर्वेदी, कमलेश चतुर्वेदी, डोली चतुर्वेदी मुम्बई, कमला चतुर्वेदी करौली सहित अन्य मौजूद रहे।

रिटायरमेंट के बाद का दर्द...!!!!

पटना के कंकड़बाग में बसे एक आईएएस अफसर रहने के लिए आए जो हाल ही में सेवानिवृत्त हुए थे। ये बड़े वाले रिटायर्ड आईएएस अफसर हैरान–परेशान से रोज शाम को पास के पार्क में टहलते हुए अन्य लोगों को तिरस्कार भरी नजरों से देखते और किसी से भी बात नहीं करते थे।

एक दिन एक बुजुर्ग के पास शाम को गुफ्तगू के लिए बैठे और फिर लगातार उनके पास बैठने लगे लेकिन उनकी वार्ता का विषय एक ही होता था– मैं भोपाल में इतना बड़ा आईएएस अफसर था कि पूछो मत, यहां तो मैं मजबूरी में आ गया हूं। मुझे तो दिल्ली में बसना चाहिए था– और वो बुजुर्ग प्रतिदिन शांतिपूर्वक उनकी बातें सुना करते थे। परेशान होकर एक दिन जब बुजुर्ग ने उनको समझाया।

आपने कभी फ्यूज बल्ब देखे हैं? बल्ब के फ्यूज हो जाने के बाद क्या कोई देखता है कि बल्ब किस कम्पनी का बना हुआ था या कितने वाट का था या उससे कितनी रोशनी या जगमगाहट होती थी? बल्ब के फ्यूज होने के बाद इनमें से कोई भी बात बिलकुल ही मायने नहीं रखती है। लोग ऐसे बल्ब को कबाड़ में डाल देते हैं है कि नहीं! फिर जब उन रिटायर्ड आईएएस अधिकारी महोदय ने सहमति में सिर हिलाया तो बुजुर्ग फिर बोले– रिटायरमेंट के बाद हम सब की स्थिति भी फ्यूज बल्ब जैसी हो जाती है।

हम कहां काम करते थे, कितने बड़े/छोटे पद पर थे, हमारा क्या रुतबा था, यह सब कुछ भी कोई मायने नहीं रखता। मैं सोसाइटी में पिछले कई वर्षों से रहता हूं और आज तक किसी को यह नहीं बताया कि मैं दो बार संसद सदस्य रह चुका हूं। वो जो सामने शर्मा जी बैठे हैं, रेलवे के महाप्रबंधक थे। वे सामने से आ रहे जोशी साहब सेना में ब्रिगेडियर थे। वो पाठक जी इसरो में चीफ थे। ये बात भी उन्होंने किसी को नहीं बताई है, मुझे भी नहीं पर मैं जानता हूं सारे फ्यूज बल्ब करीब – करीब एक जैसे ही हो जाते हैं, चाहे जीरो वाट का हो या 50 या 100 वाट हो। कोई रोशनी नहीं तो कोई उपयोगिता नहीं।

उगते सूर्य को जल चढ़ा कर सभी पूजा करते हैं पर डूबते सूरज की कोई पूजा नहीं करता। कुछ लोग अपने पद को लेकर इतने वहम में होते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी उनसे अपने अच्छे दिन भुलाए नहीं भूलते। वे अपने घर के आगे नेम प्लेट लगाते हैं – रिटायर्ड आइएएस/ रिटायर्ड आईपीएस/ रिटायर्ड पीसीएस/ रिटायर्ड जज आदि– आदि। अब ये रिटायर्ड IAS/IPS/PCS/ तहसीलदार पटवारी/बाबू/ प्रोफेसर/प्रिंसिपल/ अध्यापक.. कौन.. कौन–सी पोस्ट होती है भाई? माना कि आप बहुत बड़े आफिसर थे, बहुत काबिल भी थे, पूरे महकमे में आपकी तूती बोलती थी पर अब क्या?

अब यह बात मायने नहीं रखती है बल्कि मायने रखती है कि पद पर रहते समय आप इंसान कैसे थे। आपने कितनी जिन्दगी को छुआ। आपने आम लोगों को कितनी तवज्जो दी। समाज को क्या दिया, लोगों की मदद की, या सिर्फ घमंड मे ही सूजे हुए रहे। पद पर रहते हुए कभी घमंड आये तो बस याद कर लीजिए कि एक दिन सबको फ्यूज होना है।यह पोस्ट उन लोगों के लिए आईना है जो पद और सत्ता होते हुए कभी अपनी कलम से समाज का हित नहीं कर सकते और रिटायरमेंट होने के बाद समाज के लिए बड़ी चिंता होने लगती है। अभी भी वक्त है इस पोस्ट को पढ़िए और चिंतन करिए तथा समाज का जो भी संभव हो हित करिए और अपने पद रूपी बल्ब से समाज देश को रोशन करिए।

चलो चलें कलम की ओर

सुरेश चन्द्र चतुर्वेदी, महरौली/करौली

आदरणीय सभापति महोदय,

श्री नीरज चतुर्वेदी जी एवं राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव चतुर्वेदी जी की सहमति अनुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद में श्री उमेश चतुर्वेदी, ग्वालियर म.प्र. को राष्ट्रीय संयुक्त सचिव के पद पर आज दिनांक 17.05.2023 को नियुक्त किया जाता है। श्री उमेश चतुर्वेदी जी का फोन नंबर 8602286033 है।

व्यास चतुर्वेदी

उपसभापति– श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

भोपाल मध्य प्रदेश

स्वर्ग में विचरण करते हुये राधा-कृष्ण सम्वाद

स्वर्ग में विचरण
करते हुए
अचानक एक दुसरे के
सामने आ गए
विचलित से
कृष्ण ,
प्रसन्नचित सी
राधा...
कृष्ण सकपकाए,
राधा मुस्काई
इससे पहले कृष्ण
कुछ कहते
राधा बोल उठी
ष्कैसे हो द्वारकाधीश ?
जो राधा उन्हें
कान्हा कान्हा
कह के बुलाती थी
उसके मुख से
द्वारकाधीश का
संबोधन
कृष्ण को
भीतर तक
घायल
कर गया
फिर भी किसी तरह
अपने आप को
संभाल लिया
.....और बोले राधा से
मै तो तुम्हारे लिए
आज भी कान्हा हूँ
तुम तो द्वारकाधीश
मत कहो!
आओ बैठते है ....
कुछ मै अपनी कहता हूँ
कुछ तुम अपनी कहो
सच कहूँ राधा
जब जब भी
तुम्हारी याद
आती थी
इन आँखों से
आँसुओं की बुँदे
निकल आती थी
बोली राधा ,मेरे साथ
ऐसा कुछ नहीं हुआ
ना तुम्हारी याद आई
ना कोई आंसू बहा
क्यूंकि हम तुम्हे
कभी भूले ही कहाँ थे
जो तुम याद आते
इन आँखों में सदा
तुम रहते थे
कहीं आँसुओं के
साथ निकल
ना जाओ
इसलिए रोते भी
नहीं थे
प्रेम के अलग होने पर
तुमने क्या खोया
इसका इक आइना
दिखाऊं आपको ?
कुछ कडवे सच ,
प्रश्न सुन पाओ तो
सुनाऊ?
कभी सोचा इस
तरक्की में तुम
कितने पिछड़ गए
यमुना के मीठे पानी
से जिंदगी शुरू की
और समुन्द्र के
खारे पानी तक
पहुच गए ?
एक ऊँगली पर
चलने वाले
सुदर्शन चक्र
पर भरोसा कर लिया
और दसों उँगलियों
पर चलने वाळी
बांसुरी को
भूल गए ?
कान्हा जब तुम
प्रेम से जुड़े थे तो ....
जो ऊँगली
गोवर्धन पर्वत
उठाकर लोगों को
विनाश से बचाती थी
प्रेम से अलग होने
पर वही ऊँगली
क्या क्या रंग
दिखाने लगी
सुदर्शन चक्र
उठाकर विनाश के
काम आने लगी
कान्हा और
द्वारकाधीश में
क्या फर्क होता है
बताऊँ
कान्हा होते तो
तुम सुदामा के
घर जाते
सुदामा तुम्हारे घर
नहीं आता
युद्ध में और प्रेम
में यही तो फर्क
होता है
युद्ध में आप मिटाकर
जीतते हैं
और प्रेम में आप
मिटकर जीतते हैं
कान्हा प्रेम में
डूबा हुआ आदमी
दुखी तो रह सकता है
पर किसी को
दुःख नहीं देता
आप तो कई
कलाओं के स्वामी हो
स्वप्न दूर द्रष्टा हो
गीता जैसे ग्रन्थ
के दाता हो
पर आपने
क्या निर्णय किया
अपनी पूरी सेना
कौरवों को सौंप दी?
और अपने आपको
पांडवों के
साथ कर लिया
सेना तो आपकी
प्रजा थी
राजा तो पालक होता है
उसका रक्षक होता है
आप जैसा महा ज्ञानी
उस रथ को
चला रहा था
जिस पर बैठा
अर्जुन
आपकी प्रजा को ही
मार रहा था
आपनी प्रजा को
मरते देख
आपमें करूणा
नहीं जगी
क्यूंकि आप
प्रेम से शून्य
हो चुके थे
आज भी धरती
पर जाकर देखो
अपनी
द्वारकाधीश
वाळी छवि को
ढूंढते रह जाओगे
हर घर हर मंदिर में
मेरे साथ ही
खड़े नजर आओगे
आज भी मै मानती हूँ
लोग गीता के ज्ञान
की बात करते हैं
उनके महत्व की
बात करते है
मगर धरती के लोग
युद्ध वाले
द्वारकाधीश.
पर नहीं
प्रेम वाले कान्हा
पर भरोसा करते हैं
गीता में मेरा
दूर दूर तक नाम
भी नहीं है
पर आज भी लोग
उसके समापन पर
'राधे राधे' करते है।

संकलनकर्ता–
विनीता चतुर्वेदी
इटावा

कर्तव्य बोध एवं वचनबद्धता

सभी सम्मानित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्य महापरिषद उत्तर प्रदेश एवं इस समूह में शामिल सम्मानित युवा महापरिषद पदाधिकारी गण और सामाजिक बंधुओं सभी के लिए मथुरा पुरी से रामदास चतुर्वेदी पार्षद मथुरा–वृंदावन नगर निगम (२०१७–२०२३),

प्रदेश महामंत्री श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद उत्तर प्रदेश की ओर से जय यमुना मईया की

एवं सादर प्रणाम,सादर पालागन।।

आज शायद पहली बार जब से दायित्व मिला है सभी सम्मानित बंधुओं से वार्तालाप हो रहा है।

व्यक्तिगत कारणों से इतने दिनों से समाजिक सहभागिता महापरिषद में नहीं कर सका इसके लिए खेद है।

अब नई उमंग के साथ आप सबके मार्गदर्शन में समाजिक क्षेत्र में कार्य करने का अवसर मिलेगा ऐसा विश्वास है।

हम और आप ऐसी ऋषि कुल परम्परा के वंशज हैं जिसकी ख्याति चारों युगों में वर्णित रही है।

हमारा आपका सौभाग्य है कि हम और आपने ऐसे परिवारों में जन्म लिया है जिसकी पहचान सम्मानित रूप से सम्पूर्ण भारत वर्ष में होती है।

कालांतर में विधर्मियों के आक्रमणों से बहुत बड़ा पलायन हमारे पूर्वजों को अपनी मातृभूमि से इसलिए करना पड़ा कि हमको अपनी ऋषि कुल परम्परा को जीवित रखना था, अपने परिवार की बहन, बेटियों, माताओं और बच्चों की रक्षा विधर्मियों के आक्रमणों से करनी थी।

हमारे पूर्वज अपनी ऋषि कुल परम्परा को संरक्षित रखने के लिए राजश्रय से एवं अपने पुरूषार्थ से सम्पूर्ण भारत के विभिन्न हिस्सों में निवास करने लगे लेकिन एक समानता रही कि हमने अपनी कुल देवीयो कुल परम्परा और अपनी पहचान को कभी अपने व्यक्तिगत जीवन से दूर नहीं होने दिया और अपने चतुर्वेदी होने का गौरव करते हुए अपनी पहचान को बनाये रखा।

आज चतुर्वेदी समाज की विभिन्न संस्थाएं अपने स्तर से विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक स्तर पर चतुर्वेदी समाज को संगठित रखने का कार्य कर रही जो कि सदैव वंदनीय, अभिनन्दनीय रहेगी।।

बाल्यकाल से मेरा स्वभाव समाजिक क्षेत्र में अग्रणी रहकर कार्य करने का रहा है, अपने बाल्यकाल से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक के रूप में कार्य करने हुए 1996 में अपने सहपाठियों के साथ मिलकर चतुर्वेदी विधार्थी परिषद की स्थपना की और स्थानीय स्तर पर छात्रों की विभिन्न समस्याओं का समाधान कराते हुए मथुरा के किशोरी रमण महाविद्यालय में बी.काम की इवनिंग कक्षाओं का शुभारंभ कराया।

1998 और 1999 में पं.आशीष चतुर्वेदी (तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री माथुर चतुर्वेद युवा परिषद्) के साथ रहकर चतुर्वेदी समाज की प्रतिनिधि संस्था माथुर चतुर्वेद परिषद की युवा परिषद् में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

सन् 2000 एवं 2001 में श्री माथुर चतुर्वेद परिषद युवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

सन् 2001 में श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के हुए चुनावों में निर्वाचित तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल चतुर्वेदी नदो सिंह के साथ निर्विरोध चुनकर श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय मंत्री के रूप में कार्य करने का सौभाग्य मिला।

सन् 2001 से सन् 2003 तक राष्ट्रीय मंत्री के रूप में कार्य करने के पश्चात चतुर्वेदी समाज की विभिन्न संस्थाओं में सक्रिय रूप में कार्य करने का विश्राम लेते हुए विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय राजनीति में मथुरा नगर और जिले में विभिन्न दायित्वों पर कार्य करते हुए अपने पारिवारिक व्यवसाय में सहभागिता करते रहे।

सन् 2017 में उ.प्र.सरकार द्वारा मथुरा–वृंदावन महानगर को मथुरा वृन्दावन नगर निगम घोषित कर दिया।

मथुरा वृन्दावन नगर निगम प्रथम नव निर्वाचन में भाजपा द्वारा मथुरा वृन्दावन नगर निगम के हृदय स्थल क्षेत्र वार्ड

57 (होली गेट से द्वारिका धीश मंदिर) प्रत्याशी बनाया कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय निवासियों के आर्शीवाद से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि पार्षद बनने का सौभाग्य मिला।

निगम बोर्ड में लगातार दो वर्ष कैबिनेट सदस्य के रूप में कार्य करने का अवसर मिला (2017––2019)

साथ अगले दो बर्ष (2020––2021)

में नगर निगम में मुख्य सचेतक भाजपा पार्षद दल के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

गत जनवरी माह में मेरे मार्गदर्शक परम् आदरणीय कान्तानाथ चतुर्वेदी सरदार राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद ने महापरिषद का सदस्य बनाते हुए महापरिषद में शामिल किया।

राष्ट्रीय संरक्षकों एवं पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में अपनी ' मातृभूमि मथुरा पुरी के प्राचीन श्री दीर्ध विष्णु मंदिर प्रांगण आयोजित महापरिषद के महाजनसंपर्क अभियान के सुअवसर पर सहसंयोजक के रूप में भारत वर्ष से पधारे चतुर्वेदी बांधवों के दर्शन का सौभाग्य मिला।

कार्यक्रम के पश्चात संगठन के वरिष्ठ मार्गदर्शकों का निर्णय हुआ कि मुझे प्रदेश महामंत्री के रूप में सभी सम्मानित पदाधिकारियों के साथ संगठन विस्तार और संगठन को मजबूत करने के लिए दायित्व जाता है घ्घ

उसके पश्चात मथुरा–वृंदावन नगर निगम में पुनः नवीन निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से व्यस्तता बढ़ गयी आपके आर्शीवाद से परिवार से पुनः छोटे भाई की पत्नी श्रीमती रचना रामकिशन पाठक जी को भाजपा संगठन ने चौबिया पाड़ा क्षेत्र वार्ड 61 से प्रत्याशी बनाया और १००० मतों से विजयी कर क्षेत्रीय निवासियों ने आर्शीवाद प्रदान किया।

इसी दौरान अचानक माता जी की तबियत खराब हो गई और गत 19 मई को परम् पूज्य माता जी का स्वर्गवास हो गया।

परिवारिक परिस्थितियों के कारण प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में सहभागिता नहीं हो पाई इसके लिए संदैव खेद रहेगा।

लेकिन प्रभु कृपा से अब आप सभी के साथ आपके मार्गदर्शन में सामाजिक क्षेत्र में संगठन विस्तार, संगठन की ईकाई प्रदेश के प्रत्येक जिले में जहां चतुर्वेदी परिवार निवास करते हैं में गठन, ज्यादा से ज्यादा सदस्यता अभियान और जनसमपर्क अभियान, जनगणना जैसे प्रमुख विषयों के आलावा बहुत से विषयों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा ऐसी आकांक्षा है।

आप सबके साथ आपका

रामदास चतुर्वेदी पार्षद
प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश
श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद।

कार्यक्रम सूचना

छत्तीस गढ़ प्रदेश कार्यकारणी की मीटिंग 21.5.20230 रविवार रायपुर में संपन्न हुई

दिनांक 21–5–2023 को छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी की प्रथम मीटिंग हुई, जिसमें ऑनलाईन श्री बृज मोहन चतुर्वेदी मुंबई संरक्षक, श्रीसुख देव चतुर्वेदी डबरा प्रभारी संरक्षक, श्री नीरज चतुर्वेदी जयपुर सभापति, श्री प्रणब चतुर्वेदी कानपुर, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन, श्री सी0पी0 चतुर्वेदी मुम्बई, संयोजक जनगणना कार्यक्रम श्री निशीथ चतुर्वेदी राष्ट्रीय महामंत्री संयोजक संकल्प पत्र प्रभारी, श्री आशीष चतुर्वेदी मथुरा राष्ट्रीय संयोजक युवा परिषद् का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, सभी को ह्रदय से धन्यवाद।

प्रदेश के सभी पदाधिकारियों का परिचय प्राप्त करने के बाद माथुर चतुर्वेदी का गौरवशाली इतिहास बताया गया व 100 प्रतिशत जनगणना का लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल करने का संकल्प लिया गया।

समीर चतुर्वेदी
महामंत्री, श्रीमाथुर चतुर्वेदी महापरिषद छत्तीसगढ़
सदस्य, श्री माथुर चतुर्वेदी युवा परिषद

श्री दीर्घ विष्णु मंदिर मथुरा कार्यालय पर श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की बैठक सम्पन्न

जनगणना एवं सदस्यता फार्म भरवाते हुये

श्री दीर्घ विष्णु मंदिर मथुरा कार्यालय पर श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्यतः विंदुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई ।

१– मथुरा जिले में आसपास रह रहे चतुर्वेदी परिवारों को संगठन से जोड़ना एवं उनको सदस्यता प्रधान करना।

२– मथुरा जिले में रह रहे चतुर्वेदी परिवारों की जनगणना।

३– मथुरा जिला एवं महानगर की कमेटी के लिए प्रस्तावित नामों पर चर्चा।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री कान्ता नाथ चतुर्वेदी सरदार द्वारा की गई। चतुर्वेदी महिलाओं को एक जुट करने के प्रयास का दायित्व राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती गंगा रानी चतुर्वेदी ने लिया, मथुरा जिले की जनगणना एवं सदस्यता की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश महामंत्री रामदास चतुर्वेदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा आशीष चतुर्वेदी, राष्ट्रीय महामंत्री युवा बालाकृष्ण चतुर्वेदी ने ली।

फिजा बदल रही है (व्यंग)

फिजा बदल रही है,
जरूरतें बदल रही हैं,
रोटी की भूख हो तो,
गुटका चबा रही हैं।
फल, मिठाई, हवा, पानी,
सब कल की हैं बातें,
ताकत के लिए जरूरी,
विटामिन की गोली रह गई हैं।
रसोई से कीमती,
वाशरूम का सामान है अब
गर्दन में कर्व जरूरी,
आंखें ,मोबाइल में गढ़ रही हैं।
जा रहा है, किस ओर यूथ,
सौ प्रतिशत की दौड़ में,
घर के घर बिक जाएं पर,
गंगाक्लासें चल रही हैं।
बंद हैं अखाड़े बगीची,
और व्यायाम शाला,
योगा के योग गुरुओं की,
दुकानें खुली हुई हैं।
प्रकृति की खूबसूरती,
आंखों में चुभ रही हैं,
प्लास्टिक के फूलों से,
बगिया महक रही हैं।
ब्यूटी पार्लर की है, ब्यूटी,
परख सुंदरता की,
लाखों की सजावट हैं,
लाखों से धुल रही हैं।
फिजा बदल रही है गंगा
प्यार मोहब्बत की,
जिसकी जितनी कमाई,
सब दिखावे पे फुख रही हैं।

स्व रचित– गंगा रानी चतुर्वेदी, मथुरा

अभिनन्दन

कई बार ऐसे ,
घटनाक्रम हो जाते हैं ।
कि अच्छे खासे,
भ्रमित हो जाते हैं ।

एक दिन की बात बताऊँ,
सच्चा सच्चा हाल सुनाऊँ ।

एक सज्जन की अंत्येष्टि में,
कांधा देते हुए,
श्मशान पहुँच गया ।

वहाँ का दृश्य,
कुछ अलग था,
या यूँ कहूँ,
बिल्कुल बिलग था ।

एक बैनर था वहाँ लगा हुआ,
जिसपर कुछ यूँ था लिखा हुआ–
हम यहाँ
आपका अभिनंदन करते हैं ।

मैं खड़ा अपलक ,
निहारता रहा उस बैनर को,
स्वागत के स्थान पर ।

सोचने लगा क्या
इशारा किया है इश्तहार में
आज नहीं कल
सबको लगना ही है कतार में।

सूर्य कान्त चतुर्वेदी 'मोहन बैरागी'
(पुरा/टूण्डला/रिसड़ा)

गजल

1) जर से जमीं का प्लेटफार्म देखा,
डर गए जब उसका अन्जाम देखा ।
कूदतीं थी कश्तियां सागर की गोद में,
पर हमनें सागर को कश्तियों में कूदते देखा ।

2) इतिहास से हम नहीं हमनें ही इतिहास बनाया है ।
हमारे पूर्वजों ने ही जीवन का अलख जगाया है ।।
जग में फैली दूषित परम्परा को जड से ही मिटाया है ।
कुल की मर्यादा, मानव संस्कृति का पाठ पढाया है ।।
मत भूलो कभी स्वरूप अपना जिसने जागृति लाई है ।
जातिवाद का भेद मिटाकर मानवता फैलाई है ।।
यही वक्त है शक्ति तुम अपनी अब दिखला दो ।
कर्म योग का पाठ प्रेम से सभी ओर फैला दो ।।

मैं सतीश बल्लभ पाठक,
बड़ोदरा (गुजरात) मूल निवासी– मथुरा
उपाध्यक्ष–श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद,
एडवोकेट, बडोदरा (गुजरात)
व से०नि० आई०आर०पी०

मेरी माँ

जीन के हर कष्टों में तुम,
साथ मेरा देती हो माँ।
जब–जब मैं गिर जाती हूँ
तुम हाथ पकड़ लेती हो माँ।

जो तुम ना होती मेरे साथ में ,
जाने क्या होता मेरा।
जीवन यह होता बड़ा कष्टमय,
उजड़ा–सा होता ये समाँ।

कभी ना हिम्मत आती हममें,
जो तुमसे ही पाई है।
तुम्हारे प्यार और दुलार की,
सौगात जो हमने पाई है।

देना पल–पल साथ मेरा यूँ ही,
कभी ना मुझसे जुदा होना।
मेरी हर सफलताओं पर,
तुम मुझको शाबाशी देना।

ईश्वर की मूरत को हमने,
तुममें ही तो पाया है।
माँ इस जग में, हाँ इस जग में,
कोई न तुम–सा आया है।

प्रस्तुति– दीपा चतुर्वेदी

बेसवब बात बढ़ाने की जरूरत क्या है

बेसवब बात बढ़ाने की जरूरत क्या है
हम खफा कब थे मनाने की जरूरत क्या है
आपके दम से तो दुनियां का भरम है कायम
आप जब हैं तो जमाने की जरूरत क्या है
तेरा कूँचा तेरा दर तेरी गली काफी है
वेठिकानों को ठिकाने की जरूरत क्या है
दिल से मिलने की तमन्ना ही नहीं जब दिल में
हाथ से हाथ मिलाने की जरूरत ही क्या है
बेसवब बात बढ़ाने की जरूरत ही क्या है।

प्रस्तुति–

चौबे जी के चार प्रकार

च= चकाचक (व्यवसाई वर्ग)
तु= तुर्रेदार (प्रशासनिक सेवारत)
वे= वेतनभोगी (लगभग 90 प्रतिशत आबादी)
दी= दीन दुःखी (इन बेचारो का कोई नही)
न कोई कुलीन/न कोई बदलुआ/न कोई सैगवार
यह कथन स्वर्गीय घुर्रे जी आगरा का है...
और सत्य भी है
पालागन

सुहानी बेला आई

कितनी सुहानी शुभ आज बेला आई है,
सभी चतुर्वेदियों को हार्दिक बधाई है।
पलकों के पाँवड़े बिछाओ सभी साथी
दरश परस करने से पुलकित भई छाती
बहुत दिनों से मिलने की उत्कण्ठा छाई है।
सभापति नीरज जी चतुर्वेदी आये
निशीथ जी राष्ट्रीय महामंत्री कहाये
बम्बई वाले सी.पी. चतुर्वेदी की बड़ाई है।
अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक हे श्रीमान्
देवी जी के परम भक्त करते हैं गुणगान
जनगणना अभियान नींव इन्हीं ने लगाई है।
प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान के हैं हृदयेश जी
राष्ट्रीय अध्यच उचाड़ के सुखदेव जी
सभी को महापरिषद से जोड़ने की भूमिका निभाई है।
कानपुर से प्रणव जी आजीवन व्यक्ति
राष्ट्रीय संगठन के ये हैं महामंत्री
सबके साथ बढ़ने की ऊर्जा फैलाई है।
ओम प्रकाश चतुर्वेदी रहते भवानी मण्डी
शिक्षा क्षेत्र में समाज की रखते विशेष रुचि
जो भी आया प्यार दिया देर ना लगाई है।
जयपुर से कन्हैया लाल ..... कण के सम्पादक
परहित का काम करते, मिलिये इनसे बेझिझक
जीवन समर्पित किया देव तुल्य भाई है।
सत्येन जी चतुर्वेदी करौली के रहने वाले
जयपुर में प्रसिद्ध नाम, लोग गुण गाते हैं
हृदर उदार प्रयास करते हैं हर बार
समाज कार्य में हाथ आगे बढ़ाते हैं
मेहनत से डरते नहीं कभी पीछे हटते नहीं
करते सहयोग भामाशाह कहलाते हैं।
रहे प्रसन्न शुभकर्मों के पुण्य
ऐसे व्यक्ति बड़े भाग्य से आते हैं
करौली जिला से भी परमानन्द कैण्टीन
बुद्धि में प्रवीण करीतपुरा के निवासी हैं
बने हैं अध्यक्ष काम करते हैं निष्पक्ष
सभी कार्यो में दक्ष, बड़े मधुर भाषी हैं।

लेखक– हरकिशोर चतुर्वेदी

कविता

बारिश के दिन आए.....।
कविता शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
बारिश के दिन आते
मौसम में बदलाब लाते ।
घनघोर काली काली घटाएं छाती
बेजान पतों में एक नई जान लाती
हरियाली फिर चहूं ओर छा जाती
पत्ते पत्ते में फिर बहारें आती ।
पेड़ पत्ते टहनियों भी ,
नए नए गीत खुशी के गाती
ठूंठ हुए पेड़ों में फिर से नई जान छा जाती ,
हर्ष से हिल हिल कर पत्ते तालियां बजाते।
मौसम खुशी का इजहार करती ,
बारिश की बूंदें पड़ते ही खुशी छा जाती
उदासीन दूर भगाती
सृष्टि का जीवन दर्शन कराती।
बारिश के आते ही खुशियां दिखती
जीवन में नई उमंगें जगती ।
उमड़–घुमड़ कर बारिश आती
कृषकों को नई उम्मीदें जगाती।
खुशियों से झोली भर जाती

शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
94 चौबान मुहल्ला जिला फिरोजाबाद
उत्तर प्रदेश पिन कोड 283203

बेटियाँ

ओस की बूंद सी होती हैं बेटियाँ
स्पर्श खुदरा हो तो रोती हैं बेटियाँ
रोशन करेगा बेटा तो बस एक ही कुल को
दो–दो कुलों की लाज होती हैं बेटियाँ
कोई नहीं एक दूसरे से कम
हीरा अगर बेटा तो सच्चा मोती होती हैं बेटियां
काँटों की राह पर ये खुद ही चलती रहेगीं
औरों के लिए फूल बोती हैं बेटियां
विधि का विधान है यही दुनिया की रस्म है
मुट्ठी भर नीर सी होती हैं बेटियां।

पूनम आशीष चतुर्वेदी
फिरोजाबाद/चंडीगढ़

निवेदन जनगणना

कल 30 अप्रैल को जनगणना का प्रथम पड़ाव पूर्ण हुआ और द्वितीय आज 1 मई से शुरू हो रहा है ।

और यह प्रक्रिया प्रति माह इसी तरह तब तक चलती रहेगी जब तक कि हम संपूर्ण माथुर चतुर्वेदी समाज को एक सूत्र में पिरो नहीं लेते हैं।

अभी तक हम अपने ही महापरिषद के ग्रुप में जनगणना से संबंधित मैसेज बार बार पोस्ट करते थे, लेकिन अब हमें अपने ग्रुप से बाहर समाज के अन्य ग्रुप में अपनी बात पहुंचानी है ,साथ ही जो हमारे व्यक्तिगत परिचित लोग हैं उन्हें हमें व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना है, तभी हम संपूर्ण समाज तक पहुंचने में सफल होंगे। इसलिए अब प्रयास ऐसा हो कि हम संपूर्ण विश्व में फैले अपने सभी भाइयों को अपने से जोड़ पायें ।

आप सभी से इस सामाजिक कार्य में सतत सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है और अगर किसी को गूगल फॉर्म भरने में कोई दिक्कत है तो वह नीचे दिए physical फॉर्म को भरकर मुझे watsup no.9820132000 पर भेज सकते हैं। –धन्यवाद

श्री माथुरा चतुर्वेदी महापरिषद

(चतुर्वेदी समाज का अपना मंच)

ए–4 भास्कर एनक्लेब 11, पत्रकार कॉलोनी, जयपुर

For Online Website- Paalagan link here: https://forms.gle/GiZRbDZDrWMk9Mi36

1. नाम .....
2. पिता का नाम/ पति का नाम .....
3. उम्र .....
4. जन्म तिथि पुरुष ☐ स्त्री ☐
5. लिंग वैवाहिक ☐ अवैवाहिक अन्य ☐
6. वैवाहिक स्थीति .....
7. परिवार के मुख्या से सम्बन्ध .....
8. वर्तमान पता .....
9. वर्तमान शहर का नाम .....
10. मूल पैर्तक घर का पता स्थाई .....
11. मोबाईल नं .....
12. ई–मेल पता .....
13. गौत्र .....
14. ब्लड ग्रुप A- ☐ A+ ☐ B- ☐ B+ ☐ AB+ ☐ AB- ☐ O+ O- ☐
15. परिवार के सदस्यों की संख्या .....
16. शैक्षिक स्थिति– प्रारम्भिक शिक्षा ☐ 10 पास ☐ स्नात्तक ☐ बी. काम ☐ बीएससी ☐ बी.ए ☐ एम.कॉम ☐ एमससी. ☐ एम.ए ☐ अन्य ☐
17. व्यवसाय– बेरोजगार ☐ नौकरी ☐ व्यापार ☐ अन्य ☐
18. कार्य की प्रकृति .....
19. पारिवारिक आय (लाख में) 2.5 से कम ☐ 2.5 से 5 ☐ 5 से 10 ☐ 10 से ज्यादा ☐
20. किसी प्रकार की सहायता शिक्षा ☐ स्वास्थ ☐ रोजगार ☐ वृद्धावस्था पेंशन ☐ बच्चों की शादी के सम्बन्ध में ☐ कानूनी सलाह ☐ अन्य ☐
21. अपने विचार– .....

कतरों का झोर

विधि– सर्वप्रथम मूंग की दाल को अच्छे से साफ करके 2,3, घंटे पहले भिगोने रख दे। दाल भींग जाने के बाद पानी निकाल कर पीस लें, पिसी दाल में हींग मिर्च धनियां पाउडर मिलाकर खूब फेंटकर एक कटोरी में थोड़ा पानी लेकर उसमें दाल डालकर देखें, पिसी दाल पानी में तैरने लगे तो कतरों के लिए दाल तैयार है।

उसके बाद बेसन को छानकर मटठे मे घोलकर हल्दी नमक डालकर तैयार कर लें।

कतरे बनाने की विधि–

ऊंची किनारी वाली थाली मे दाल रखकर किनारे पर दाल करके हथेली की सहायता से एक –एक रोल तेल मे किनारे किनारे सावधानी से सेकते जायें, कतरा सिककर तैयार है।उन्हे अब गट्टे की तरह काट लें। अब मटठे बेसन के घोल को जो पहले ही तैयार कर लिया है ,उसे धीमी आंच पर पकने दें, ध्यान रहे झोर शुरू मे पतला ही रखें ,तभी कतरा गलेगा, झोर खौलने के बाद गाढ़ा होगा ,कतरे पानी सोखते है, कतरे गलने पर धनियां लोंग पिसी, या गरम मसाला डालकर पकायें, ऊपर से हींग जीरे और लाल सूखी मिर्च का छौंक लगाकर हरे धनियां पत्ती से सजाकर सर्व करें।

पूनम आशीष चतुर्वेदी चंडीगढ
पुत्री श्री प्रेम शंकर चतुर्वेदी
बिजकौली/फिरोजाबाद

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की पत्रिका में प्रकाशन के लिए प्रस्तावित सहयोग राशि सारिणी

1	अंतिम कवर–रंगीन	5000.00
2	भीतरी कवर –रंगीन	4000.00
3	पूरा पृष्ठ –रंगीन	3000.00
4	पूरा पृष्ठ–श्वेत श्याम	2000.00
5	आधा पृष्ठ–श्वेत श्याम	1000.00
6	चौथाई पृष्ठ– श्वेत श्याम	500.00
7	शुभकामना संदेश–श्वेत श्याम–1/6	500.00
8	श्रद्धांजलि–पूर्ण पृष्ठ श्वेत–श्याम	1000.00
9	श्रद्धांजलि–आधा पृष्ठ श्वेत–श्याम	500.00
10	श्रद्धांजलि–पूर्ण पृष्ठ रंगीन	2000.00
11	श्रद्धांजलि–द्वितीय/भीतरी कवर रंगीन पृष्ठ	3000.00
12	बधाई/शुभकामना पूर्ण पृष्ठ रंगीन	1000.00
13	श्वेत–श्याम 1/4 पेज	500.00

इस सावन में रक्षाबन्धन के लिए करना होगा लम्बा इन्तजार

सावन मास को हिंदू धर्म में सबसे पवित्र महीना माना गया है और भगवान शिव की पूजा के लिए इसका विशेष महत्व होता है। सावन के महीने का प्रत्येक दिन शिव पूजा के लिए खास माना जाता है। लेकिन सावन के सोमवार शिवजी की कृपा का लाभ पाने के लिए सबसे शुभफलदायी माना जाता है। श्रावण मास इस साल 4 जुलाई से आरंभ हो रहा है और 31 अगस्त को समाप्त होगी। सावन में नाग पंचमी और रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाता है। इसके अलावा हरियाली तीज, शिवरात्रि भी सावन में मनाए जाते हैं।

दरअसल इस सावन दो महीना का है। सावन का पर्व दो महीने का होने के कारण इस बार 8 सावन के सोमवार पड़ रहे हैं। यही वजह है कि रक्षा बंधन भी इस बार देरी से आएगा। इस साल रक्षा बंधन 30 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षा बंधन पर भाई के हाथ में कलाई बांधने से पहले बहनें भद्रा का समय भी देखती हैं। इस बार तीस अगस्त को भद्रा सुबह 9 बजे तक समाप्त हो जाएगी, उसके बाद रक्षा बंधन मनाई जा सकती है।

आपको बता दें कि सावन मास की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाता है। इस बार 30 अगस्त को पूर्णिमा तिथि 12 बजकर 28 मिनट से दोपहर से लगेगी और अगले दिन 31 अगस्त को सुबह 8 बजकर 36 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि वाले 31 अगस्त को रक्षा बंधन मनाएंगे और पूरे दिन की तिथि के अनुसार 30 अगस्त को रक्षा बंधन मनेगी।

सनातन धर्म

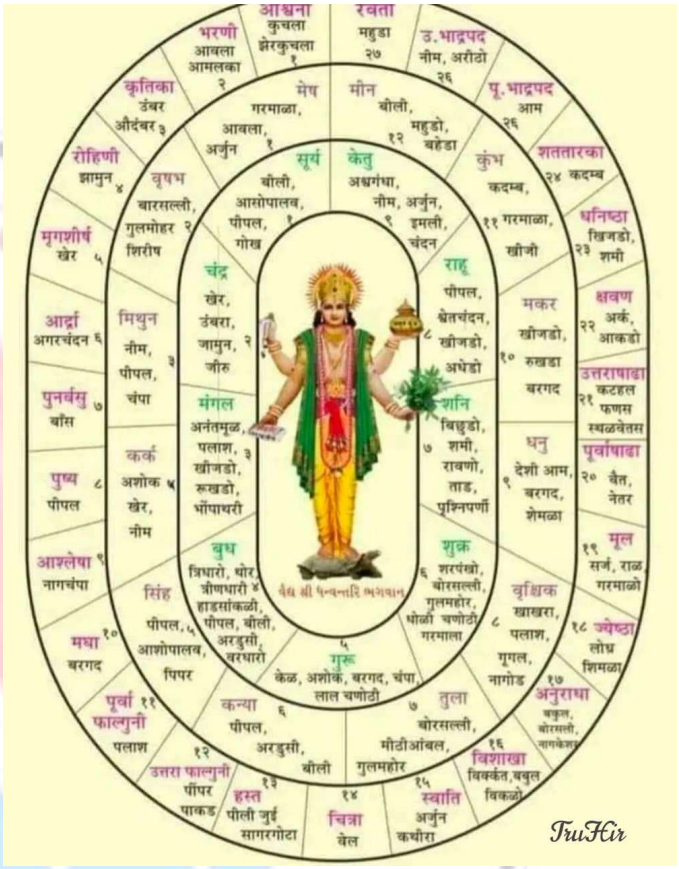

कितना महान है हमारा सनातन धर्म। नमन है हमारे ऋषि मुनियों को। इस फोटो के चारों ओर तीन घेरे बने हुए हैं। जो सबसे पहला घेरा है उसमें 27 नक्षत्रों के नाम हैं और उनके पौधों के भी नाम साथ में लिखे हुए हैं। दूसरे घेरे में 12 राशियों के नाम लिखे हैं और साथ में उनके पौधों के नाम भी लिखे हुए हैं। तीसरे घेरे में नौ ग्रहों के नाम लिखे हैं और उनसे संबंधित पेड़ पौधों के नाम भी लिखे हुए हैं। जहाँ पर पेड़ पौधे जड़ी बूटी और वृक्ष के नाम लिखे हुए हैं तो उनमें उन नक्षत्रों का या उन राशियों का या उन ग्रहों का वास होता है। यदि हम उनपर पौधों जड़ी बूटियों या वृक्षों की पूजा करते हैं या उनको हम रतन की तरह धारण करते हैं तब भी हमें वे जड़ी बूटियाँ पेड़ पौधे वृक्ष लाभ प्रदान करते हैं।

शोक संवदेना

- श्री फरिन्द्र नाथ चतुर्वेदी (भईयो जी) चन्द्रपुरध्कानपुर (कराँची खाना) का दिनांक 9 मई को निधन हो गया है।
- श्री दुर्गेश चतुर्वेदी पुत्र स्व.श्री हेमराज जी चतुर्वेदी (छप्पर वाले) इमली टोला मिश्राना, मैनपुरी का आकस्मिक निधन दिनांक 11 मई को आगरा में हो गया है।
- अत्यंत दुख के साथ सूचित करना चाहते हैं कि रीना चतुर्वेदी पत्नी श्री आनंद चतुर्वेदी पुरा–सिलीगुडी का दुखद निधन दिनांक 04 मई गुरुवार को हो गया है।
- समीर चतुर्वेदी पुत्र डॉक्टर उमेश चतुर्वेदी (अशोक जी) दही वाली गली भरतपुर (राज.) निवासी का असामायिक निधन लगभग 43 वर्ष की अल्प आयु में 30 अप्रैल को लगभग 10 बजे हो गया।
- श्रीमती गायत्री चतुर्वेदी पत्नी श्री अजीत चतुर्वेदी 124 जवाहरपुरम अवधपुरी शाहगंज आगरा का देहावसान दिनांक 1 मई को प्रातः 6 बजे जयपुर में हो गया है।
- विशेष आमंत्रित सदस्य श्री चिरंजीवी चतुर्वेदी ,शांतिग्राम सोसायटी का आज सुबह रोड ऐक्सिडेंट में दुखद निधन हो गया है। वे मैनपुरी से थे और अदानी में सिक्योरिटी में थे ।
- दिनांक 18–5–2023 को श्री मती कमलादेवी पत्नी स्व.श्री रामरतन चतुर्वेदी, श्री मुरारी लाल चतुर्वेदी निवासी बछगांव, मथुरा, की ताईजी का स्वर्गवास हो गया है।
- श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राष्ट्रीय कार्यकारणी के संयुक्त सचिव श्री चिरंजीब चतुर्वेदी (34) साल की उम्र में अहमदाबाद गुजरात में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। ये कर्नल मनोज जी देहरादून के एक मात्र पुत्र थे व उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री रविन्द्र नाथ चतुर्वेदी के भतीजे भी थे। इस दर्दनाक घटना से पूरा श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार दुखी हैं।
- श्री योगेश चन्द्र चतुर्वेदी, फरौली/कासगंज का निधन दिनांक 17 जून की रात्रि में दिल्ली के बत्रा हॉस्पिटल में हो गया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।
- श्रीमती मंजू चतुर्वेदी, धर्मपत्नी श्री मधुसूदन चतुर्वेदी, होलीपुरा/दिल्ली का स्वर्गवास दिनांक 10 जून को दिल्ली में हो गया है ।
- श्रीमती रजनी चतुर्वेदी पत्नी श्री विनोद चतुर्वेदी निवासी– एच.आई.जी.फ्लेट्स, लंगड़े की चौकी का स्वर्गवास दिनांक 5 जून 2023 को दिल्ली में हो गया है ।
- श्रीमती नीता मिश्रा उम्र लगभग 56 वर्ष पत्नी श्री अपूर्व नाथ मिश्रा (मैनपुरी/पार्क रोड) का निधन 31 मई को लखनऊ में सांय 4 बजे हो गया है,।
- श्रीमती संतोष चतुर्वेदी पत्नी श्री पृथ्वीनाथ चतुर्वेदी आगरा कोटा का निधन 30 मई 2023 को इंदौर में अपने पुत्र श्री विवेक चतुर्वेदी के पास हो गया है।
- श्री अंकित चतुर्वेदी पुत्र श्री अजीत चतुर्वेदी चन्द्रपुरध लखनऊ (गोमतीनगर) का असामयिक निधन लगभग ४० वर्ष की आयु में नोयडा में 23 मई की रात्रि में हो गया है।
- अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेखा चतुर्वेदी पत्नी श्री हीरेन्द्र चतुर्वेदी का दिनांक 19 मई 2023 की शाम निधन हो गया।
- श्रीमती कमलादेवी पत्नी स्व.श्री रामरतन चतुर्वेदी, श्री मुरारी लाल चतुर्वेदी निवासी बछगांव, मथुरा, की ताईजी का स्वर्गवास हो गया है।

- अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि नरेंद्र चतुर्वेदी मुनीमजी मूल निवासी रारह हाल निवास जयपुर का आकस्मिक निधन दिनांक 17 मई 2023 बुधवार को प्रातः 10.00 बजे हो गया है।
- श्री दुर्गेश चतुर्वेदी पुत्र स्व.श्री हेमराज जी चतुर्वेदी (छप्पर वाले) इमली टोला मिश्राना,मैनपुरी का आकस्मिक निधन आज दिनांक 11 मई को आगरा में हो गया है।
- श्री फरिन्द्र नाथ चतुर्वेदी (भईयो जी) चन्द्रपुर/कानपुर (कराँची खाना) का आज दिनांक 9 मई को निधन हो गया है ईश्वर से प्रार्थना है की भईयो जी की आत्मा को शान्ति प्रदान करे।
- अत्यंत दुख के साथ सूचित करना चाहते हैं कि रीना चतुर्वेदी पत्नी श्री आनंद चतुर्वेदी पुरा–सिलीगुडी का दुखद निधन कल दिनांक 04 मई गुरुवार को हो गया है। हम ईश्वर से उनकी मोक्ष और अनन्त शांति की प्रार्थना करते हैं।
- श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी जयपुर के समधी श्री नबीन चतुर्वेदी कोटा हाल निवासी का आज जयपुर में 7 बजे निधन हो गया है।
सादर अश्रु पूरित श्रद्धा सुमन अर्पित है।

- श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद विधिक परिषद के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री महेंद्र चतुर्वेदी मुम्बई के आकस्मिक निधन के समाचार सुनकर हृदय को वेदना हुई। इस दुःखद घड़ी में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इनकी ईश्वर से आत्मा की शांति की प्रार्थना करता है। ईश्वर इनको अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को इस असीम घड़ी में दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे।

- श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राष्ट्रीय कार्यकारणी के संयुक्त सचिव श्री चिरंजीब चतुर्वेदी(34) साल की उम्र में आज अहमदाबाद गुजरात में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। ये कर्नल मनोज जी देहरादून के एक मात्र पुत्र थे। ब उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री रविन्द्र नाथ चतुर्वेदी के भतीजे भी थे। आज इस दर्दनाक घटना से पूरा श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार दुखी हैं। हम सब परमपिता परमेश्वर से भाई चिरंजीव की आत्मा की शांति की प्रार्थना करें। अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को श्री चरणों में स्थान दे। ओर इस असीम दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिबार को संबल प्रदान करे।

श्री माथुर चतुर्वेदी महा परिषद परिवार सभी दुखी परिवारों के आत्मीजनों के प्रति संवेदना प्रकट करता है।

गौरव के पल

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सुभि चतुर्वेदी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल व्याख्यान माला के लिये किया गया आमंत्रित

समाज के लिए गौरव की बात है कि हमारे ही समाज की बिटिया सुभि चतुर्वेदी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल लेक्चर के लिये आमंत्रित किया गया ।

आपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ मंच साझा किया। जो अपने आप में ही महत्त्वपूर्ण एवं गौरव की बात है।

आप श्री तोष कुमार जी एवं श्रीमती साधना जी की पुत्री हैं जिनका मूल निवास मैनपुरी है।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद इनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती है।

राजेश चतुर्वेदी

एम.एस. डी.के बोरवेल कंपनी

A क्लास कॉन्ट्रैक्टर राजस्थान

संगठन मंत्री

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान

मोबा0 नं0 94149 83533

प्रो0 हरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी (कुक्कू)

(M) : 7354823417
9340078046

जय माँ बागवाली कृषि सेवा केन्द्र

हमारे यहाँ खाद, बीज, सीमेन्ट, सरिया, गिट्टी,
मरम रेत के थोक एवं खेरीज विक्रेता

प्रोपराइटर- हरेंद्र कुमार चतुर्वेदी

पता- देवा मन्दिर रोड, रामपुर कला, सबलगढ़ जिला-मुरैना (म.प्र.)

KC EVENT & CATERS

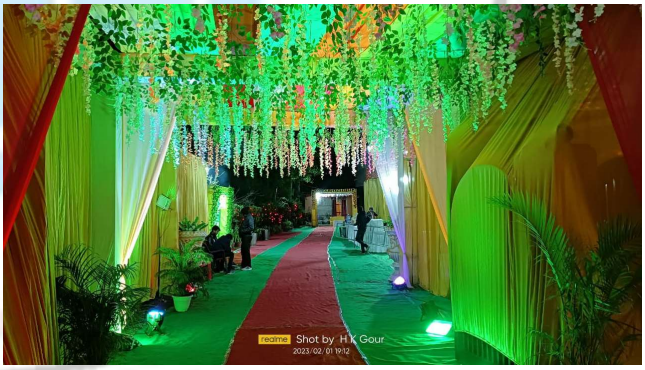

Tarun Chaturvedi 9826530965

Madhur Chaturvedi 8871710051

Mayur Chaturvedi 8871710050

Addres- 1. vashay samaj bhavan vneet kunj kolar
2.Gangour bhavan DK2 oblic16 near post office danish kunj

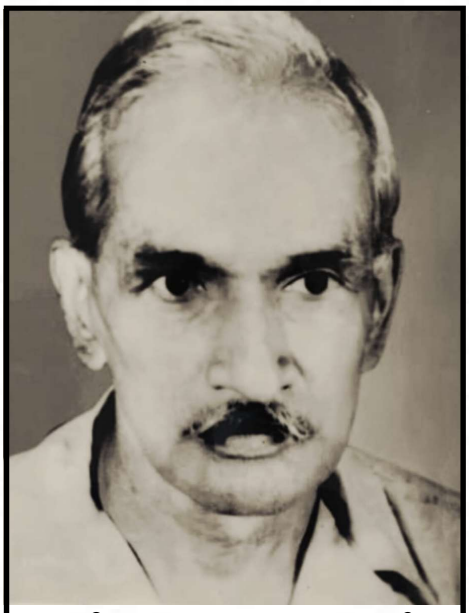

स्व0 श्री मधुसूदन दास 18 जुलाई 81

स्व0 माया देवी 25-11-1980

42वीं पुण्य तिथि

आपके संघर्ष, त्याग और आत्मविश्वास की प्रेरणास्पद गाथा को
जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है
ताकि आपकी अद्भुत सकारात्मक सोच आशावाद की सीख बने।

श्रद्धावनत परिवार-

पुत्र-स्व0 श्याम कुमार बहू- कमल
शिखा-मनीष, सिद्धार्थ-सची

पुत्र-रामकुमार बहू- मीरा
अंकुर-सौम्या, नेहा, संदीप

पुत्र- ज्ञान बहू- मधुवाला
मानस, शिखर

पुत्रियाँ-
स्व0 पुष्पा राहुल, स्व0 सुमन राजेश मुकेश,
श्रीमती अनीता, श्रीमती सरोज अंकित सौम्या, श्रीमती अनु आयुषी अदिति

प्रातः स्मरणीय कैप्टन वी0एन0 चतुर्वेदी,
पूर्व प्रवक्ता इस्लामिया इण्टर कालेज, इटावा
पूर्व प्रवक्ता, राजकुमार कॉलेज, राजकोट, गुजरात
पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, (मुफत लाल ग्रुप) चित्रकूट
संस्थापक- सनशाइन स्कूल, इटावा

की 31वीं पुण्य तिथि 08 जून पर सादर नमन

श्रद्धानवत परिवार

पुत्र एवं पुत्रवधू-
राकेश-रेखा
मुकेश-मनीषा
राजेश-सुनीता
मुकुल-अंजू
अतुल वी.एन.-विनीता

पौत्र-
कपिल, राहुल, शिखर, श्रेय,
ऋषभ, वरुण, हरित, वेदान्त, मेघा

प्रपौत्र-
देवांश, काव्या,
केया, श्लोक,
विवान

चतुर्वेदी समाज के गौरव

स्व0 श्री विशम्भर नाथ चतुर्वेदी

जी.डी.ए., आर.ए., एफ.सी.ए.
आधुनिक प्रगतिशील चतुर्वेदी समाज के प्रकाश स्तम्भ
युग प्रवर्तक सम्पूर्ण भारत वर्ष के चतुर्वेदी समाज के
प्रथम चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
समाज में आर्थिक प्रगति की गंगा लाने वाले भागीरथ
पूर्व सभापति– सेन्ट्रल इन्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
पूर्व अध्यक्ष– आयकर विभाग कानपुर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर बिक्रीकर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– प्रेम क्लब कानपुर
संस्थापक– बी0एन0 चतुर्वेदी एन्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
संस्थापक चतुर्वेदी विश्वम्भरनाथ
सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय, मथुरा

स्व0 श्री अमरनाथ विशम्भर नाथ चतुर्वेदी

एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य) एल.एल.वी., एफ.सी.ए.
पूर्व सभापति– सेन्ट्रल इन्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर आयकर विभाग बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर बिक्रीकर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– प्रेम क्लब कानपुर
पूर्व अध्यक्ष– चतुर्वेदी विश्वम्भरनाथ सार्वजनिक पुस्तकालय एवं
वाचनालय, मथुरा

लेखक
सत्यं परं धीमहि

पूर्वजों को नित्य नियम नमन एवं समस्त चतुर्वेदी समाज का अभिनन्दन एवं शुभकामनाओं सहित
बृजमोहन अमरनाथ चतुर्वेदी, मोहित बृजमोहन चतुर्वेदी,
चि0 शिव नारायण मोहित चतुर्वेदी, "बृज अमर फाउंडेशन"

चतुर्वेदी हाउस	श्याम निकुंज	32, जौली मेकर चैम्बर 2	बृज अमर विश्व भवन
24/67, बिरहाना रोड	113/32 स्वरूप नगर	नरीमन पाइंट	श्याम घाट
कानपुर- 208001	कानपुर- 208001	मुम्बई-400021	मथुरा-281001